11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 173 पटना (बिहार) शुक्रवार,25 अप्रैल 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

नीतीश राज में मुखिया को धमकाया जा रहा! पंचायती राज दिवस पर तेजस्वी का खुलासा

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए उन पर स्थानीय स्वशासन को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने और बिहार की विकासात्मक जरूरतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। पटना स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि बिहार सरकार पंचायतों को डराने और उनके अधिकार छीनने का काम कर रही है। मुखिया को धमकाया जा रहा है और बिहार के विभिन्न पंचायतों में भय का माहौल पैदा किया गया है। तेजस्वी की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आए थे और उन्होंने पंचायती राज दिवस पर मधुबनी में एक रैली को संबोधित किया था। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जमीनी स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को दरकिनार किया जा रहा है और सत्ता का केंद्रीकरण गांव स्तर पर लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। उन्होंने बिहार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का भी गंभीर चित्र प्रस्तुत किया और कहा कि बिहार में एनडीए के 20 वर्षों और केंद्र में 11 वर्षों के शासन के बावजूद, बिहार भारत का सबसे पिछड़ा राज्य बना हुआ है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी ने दावा किया कि तीन से चार करोड़ से अधिक लोग पलायन कर चुके हैं। प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है, किसानों की आय बहुत कम है और बिहार में कोई उद्योग या व्यवसाय नहीं दिखता है। उन्होंने बिहार को विशेष दर्जा न दिए जाने का हवाला देते हुए केंद्र पर बिहार के प्रति सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। आगामी चुनावों के लिए तेजस्वी ने राजद कार्यकताओं से जमीनी स्तर पर जुटने का आह्वान किया और कृषि संबंधी उदाहरण देकर सीएम नीतीश का मजाक उड़ाया।

पाकिस्तान का जवाबः शिमला समझौता सस्पेंड, कारोबार और एयरस्पेस छूट खत्म

दिल्ली व्यूरो

पाकिस्तान ने भारत को जवाब देते हुए कई घोषणाएं की हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण घोषणा शिमला समझौते का रद्द होना है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को हाई लेवल बैठक बुलाई थी। जिसमें भारत को जवाब देने का फैसला किया गया। पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौता समेत तमाम द्विपक्षीय समझौतों और हवाई क्षेत्रों को निलंबित करने सहित अन्य कदमों की घोषणा की। यह कदम उसने पहलगाम में हुए घातक हमले के मद्देनजर भारत द्वारा उसके खिलाफ उठाए गए आक्रामक कदमों के जवाब में उठाया है। भारत ने बुधवार को सिंधु जल समझौता निलंबित, पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने और अटारी बॉर्डर बंद करने की घोषणा की थी। इसके अलावा पाकिस्तान के टॉप राजनयिक को तलब कर-के बताया कि पाकिस्तान एम्बैसी में कार्यरत सैन्य सलाहकार अवांछित घोषित कर दिए गए हैं, उन्हें भारत छोड़ना होगा। एम्बैसी में कर्मचारियों की संख्या भी कम कर दी गई। इस्लामाबाद में गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक हुई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, आंतरिक मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सशस्त्र बलों के प्रमुखों सहित शीर्ष सरकारी और सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी

सुन लो पाकिस्तान, पहलगाम के गुनहगारों को किसी मांद में छिपा लो, खींच कर मारेंगे :प्रधानमंत्री मोदी

व्यूरो

पटना : पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की ऐतिहासिक धरती से पूरे देश और दुनिया को एक कड़ा संदेश दिया. इस भाषण में सिर्फ संवेदना नहीं थी, चेतावनी थी. एक राष्ट्र सेवक 140 करोड़ देशवासियों के मन के गुस्से को बयान कर रहा था. उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया लेकिन आतंकवादियों और उनके आकाओं को साफ चेतावनी दे डाली- भारत हर एक आतंकी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा और उन्हें सजा देगा. हम उनका पीछा धरती के आखिरी छोर तक करेंगे. आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है. आका कौन हैं ये समझना मुश्किल नहीं है. कल कैबिनेट कमिटी ऑन सेक्युरिटी की बैठक के बाद ये साफ हो गया है कि आका कौन है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान के बाद इस बात में रत्ती भर शक नहीं बचा है कि इस बार की कार्रवाई सिर्फ पहलगाम के हमलावरों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंकियों के पीछे खड़े देश के खिलाफ भी होगी. मिट्टी में मिलाने वाले बयान से साफ है कि भारत सैन्य कार्रवाई से नहीं हिचकेगा. हो सकता है उरी और पुलवामा के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक से बड़ी सजा इस बार मिले. तैयारी शुरू हो चुकी है. कल की बैठक में अमित शाह के साथ एस जयशंकर और सुपर स्पाई अजित डोभाल भी मौजूद थे. आम तौर पर कैबिनेट कमिटी ऑन सेक्योरिटी की बैठक साउथ ब्लॉक में होती है लेकिन इस बार मोदी के घर पर हुई. ऐसा ही बालाकोट स्ट्राइक के पहले हुआ था. आज होम मिनिस्ट्री में रॉ और आईबी के अधिकारियों के साथ बड़ी बैठक हुई है. शाम को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सभी दलों के नेताओं से मिलेंगे जिसमें अमित शाह पहलगाम को लेकर सभी जानकारी साझा करेंगे. कोई भी कार्रवाई से पहले सटीक प्लानिंग जरूरी होती है. रॉ और आईबी से जरूरी जानकारी हासिल की जाएगी. मिलिट्री इंटेलिजेंस भी गुनहगारों की डिटेल जानकारी हासिल कर रहा है. इसी बिना पर तय होता है कि आतंकवादी ठिकाने को किस तरह निशाना बनाया जाए. जब मोदी भाषण के आखिर में आए उन्होंने पूरी दुनिया तक आवाज पहुंचाने के लिए अंग्रेजी में संदेश दिया. उन्होंने दुनिया के उन देशों का धन्यवाद भी किया जो भारत के साथ खड़े हैं. यह बताता है कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आतंक के खिलाफ मोर्चा खोलने को तैयार है. सीमापार सर्जिकल स्ट्राइक झ 2016 में उरी हमले के बाद भारत ने ढङ्क में जाकर आतंकी लॉन्च पैड्स पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी. मोदी सरकार एक बार फिर ऐसे कदम उठा सकती है. मुजफ्फराबाद के टेरर ट्रेनिंग कैंपों की जानकारी

खुफिया महकमे को पहले से है. एक ऑप्शन एयर स्ट्राइक या मिसाइल अटैक का भी है.2019 में पुलवामा के बाद बालाकोट पर एयर स्ट्राइक हुई थी. इंटेलिजेंस आधारित कार्रवाई भी हो सकती है. हम अपनी एजेंसियों को आंतकवादियों और उसके नेटवर्क को नेस्तनाबूद करने की छूट दे सकते हैं. एक ऑप्शन मोसाद या सीआईए वाला भी है. आतंक के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें मिटाने के लिए गुप्त मिशन चलाया जा सकता है. मोदी के ह्लधरती के अंतिम छोर तकह्व वाले शब्दों से यही संकेत मिलता है. आतंक के ह्यसपोर्ट सिस्टमह्न को खत्म किए बिना आतंकवाद की जड़ नहीं काटी जा सकती. मोदी के भाषण से ये साफ हो गया हैं. पाकिस्तान जैसे देशों को साफ और कठोर संदेश देना होगा कि भारत अब केवल निंदा नहीं करेगा, कार्रवाई करेगा. अब मोदी के भाषण के उस हिस्से को हू-ब-हू पढ़िए जिसमें पहलगाम का जिक्र था झ 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है. कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं. सबी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है. जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ हों , उसके लिए सरकार हर प्रयास कर रही है. साथियों, इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है. उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई उड़िया था, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था. आज उन सभी की मौत पर, करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है. ये हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है. देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है. मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी. सजा मिलकर रहेगी.अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है. 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति आतंकियों के आकाओं की कमर तोड़ कर रहेगी. इसके बाद मोदी अंग्रेजी में बोले झ ₹आज बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया को साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उसके समर्थकों, साजिशकताओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा।

जरूरत एकता-एकजुटता की, लेकिन ध्रुवीकरण-विभाजन को बढ़ावा दे रही बीजेपी :सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव पारित

दिल्ली व्यूरो

दिल्ली :सीडब्ल्यूसी ने पारित प्रस्ताव में कहा गया कि बीजेपी आधिकारिक और प्रॉक्सी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से इस गंभीर त्रासदी का फायदा उठाकर ऐसे समय में अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन को बढ़ावा दे रही है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आज शाम को केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस की ओर से दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष शामिल होंगे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपनी शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह फैसला किया। कांग्रेस ने यह मांग भी की है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बैठक की अध्यक्षता करनी चाहिए। कार्य समिति ने कहा कि बैठक में कुछ क्षण मौन रखकर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर ने दावा किया कि सुरक्षा और खुफिया नाकामी का भी सवाल है। उन्होंने कहा, ₹ऐसी जानकारी है कि कुछ सूचना पहले से थी। ऐसे में हमारी एजेंसियो और सुरक्षा से जुड़े लोगों को ज्यादा सजग रहना चाहिए था। यह हमारी चिंता है।₹ मीर ने कहा कि वहां पहले जितनी सुरक्षा नहीं थी। कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा पारित गए ये प्रस्तावःकांग्रेस कार्यसमिति द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले पर गहरा दुख और निंदा व्यक्त करती है, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कांग्रेस कार्यसमिति शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है। इस दुख की घड़ी में वह तहे दिल से उनके साथ खड़ी है। पाकिस्तान द्वारा रची गई यह कायराना और सोची-समझी आतंकी कार्रवाई हमारे गणतंत्र के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया गया, ताकि पूरे देश में भावनाएं भड़काई जा सकें। हम इस गंभीर उकसावे के सामने शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए अपनी सामूहिक ताकत की पुष्टि करते हैं। सीडब्ल्यूसी शांति बनाए रखने की

अपील करती है और दृढ़ संकल्प और एकता के साथ सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दीर्घकालिक संकल्प की पुष्टि करती है। प्रस्ताव में आगे कहा गया कि सीडब्ल्यूसी स्थानीय टट्टूवालों और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक भारत के विचार को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की निस्वार्थ रक्षा करने की कोशिश करते हुए शहीद हो गए। देश की सामूहिक इच्छा को प्रदर्शित करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 तारीख की रात को ही माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। यह बैठक अब आज के लिए निर्धारित की गई है। प्रस्ताव में कहा गया कि पहलगाम को एक भारी सुरक्षा वाला क्षेत्र माना जाता है, जो तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था द्वारा सुरक्षित है। यह जरूरी है कि खुफिया विफलताओं और सुरक्षा खामियों का व्यापक विश्लेषण किया जाए, जिसने केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह के हमले को सक्षम बनाया - एक ऐसा क्षेत्र जो सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में है। यह सवाल व्यापक जनहित में उठाए जाने चाहिए। यही एकमात्र तरीका है जिससे उन परिवारों को सही मायने में न्याय मिल सकता है, जिनका जीवन इतनी क्रूरता से तबाह हो गया है। सीडब्ल्यूसी ने यह भी नोट किया कि अमरनाथ यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है। इस वार्षिक यात्रा में भारत भर से लाखों तीर्थयात्री भाग लेते हैं, और उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता माना जाना चाहिए। बिना किसी देरी के मजबूत, पारदर्शी और सक्रिय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू और कश्मीर के लोगों की आजीविका, जिनमें से कई पर्यटन पर निर्भर हैं, की पूरी ईमानदारी और गंभीरता से रक्षा की जानी चाहिए। प्रस्ताव में आगे कहा गया कि इस नरसंहार की जम्मू और कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और इसके नागरिकों के एक बड़े वर्ग ने निंदा की है। हालांकि, यह चौंकाने वाला है कि बीजेपी आधिकारिक और प्रॉक्सी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से इस गंभीर त्रासदी का फायदा उठाकर ऐसे समय में और अधिक कलह, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन को बढ़ावा दे रही है,

ललन सिंह पर नीतीश ने फोड़ा बड़ा ठीकरा! मंच पर प्रधानमंत्री मोदी भी रहे मौजूद

संवाददाता द्वारा

मधुबनीः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से पिछली बार अलग होने का दोष अपने करीबी सहयोगी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पर मढ़ा, जो अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही भाजपा के साथ फिर से जुड़ने वाले कुमार ने यह बात प्रधानमंत्री की मौजूदगी में कही। जब मधुबनी जिले में एक समारोह के दौरान कुमार ने यह टिप्पणी की तब मंच पर ललन भी मौजूद थे। कुमार ने करीब तीन साल पहले राजग छोड़ने के समय भाजपा पर जेडीयू को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। नब्बे के दशक से भाजपा के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि हम शुरू से ही साथ थे। कुमार ने पहली बार 2013 में मोदी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने के कारण राजग से नाता तोड़ा था। अगस्त 2022 में भाजपा के साथ दूसरी बार अपने अलगाव का जिक्र करते हुए, कुमार ने ललन की ओर मुड़कर कहा कि यह मेरे पार्टी के सहयोगी थे, जो यहां बैठे हैं, जिन्होंने मुझे भटकाया। ध्यान रहे कि नीतीश कुमार ने ललन सिंह की ओर बकायदा इशारा करके इस बात को कहा। अब इसे लेकर बिहार में अलग सियासी चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि नीतीश कुमार की इस बात को ललन सिंह ने कहीं दिल पर ले लिया, तो मामला बिगड़ सकता है। उधर, ललन सिंह की बीजेपी से बढ़ती नजदीकी से नीतीश कुमार के नाराज होने की बात कही जा रही है।

प्रधानमंत्री ने मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को किया समर्पित

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर - प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिला के लोहना में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित किया तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात दी। जिन ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उनमें जयनगर पटना नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा लोकमान्य तिलक अमृत भारत एक्सप्रेस तथा दो पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। नमो भारत रैपिड रेल के बारे में विस्तार से बताते हुए रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया कि दो शहरों के बीच तेज रफ्तार, आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। यह ट्रेन इंटरसिटी ट्रैवल के लिए देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2 हजार से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद-भुज के बाद यह देश की दूसरी 'नमो भारत' रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी। नमो भारत रैपिड रेल तेज एक्सेलरेशन और आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की जरूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगी हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित मॉड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय और डस्ट-प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है। इस ट्रेन की एक खासियत इसका 'कवच' सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिक्टेशन सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी-परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है। ट्रेन में रूट-मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे। यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। आपातकालीन लाइटिंग, एलईडी लाइटिंग और अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से यात्रियों को एक शांत और रोशनी से भरा माहौल मिलता है। सहरसा और लोकमान्य तिलक के बीच चलाई गई अमृत भारत एक्सप्रेस के बारे में

बताते हुए रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। यह ट्रेन आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिजाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिजाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है। अमृत भारत एक्सप्रेस की सेफ्टी फीचर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है। अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है जिससे ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का महारथी भी बनाती है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं।

सिंधु जल समझौता खत्म होने का पाकिस्तान पर कितना फर्क पड़ेगा?

ब्यूरो

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने से पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ गया है। इससे पाकिस्तान की कृषि, जल सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को खतरा है, जबकि भारत को अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और घरेलू चुनौतियों का जोखिम है। भारत ने हाल ही में पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले के बाद इंडस वाटर्स ट्रीटी (सिंधु जल संधि) को निलंबित कर दिया है, जिससे पाकिस्तान के साथ तनाव और बढ़ गया है। यह संधि, जो 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी, दोनों देशों के बीच सहयोग का एक दुर्लभ प्रतीक थी। इस कदम से पाकिस्तान की कृषि, जल सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, वहीं भारत को भी अंतरराष्ट्रीय आलोचना और घरेलू चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इंडस वाटर्स ट्रीटी के तहत, सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज-का पानी भारत और पाकिस्तान के बीच बांटा गया था। पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब का अधिकांश पानी मिलता है, जो उसकी कृषि के लिए जीवन रेखा है। पाकिस्तान की लगभग 60% आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है, और सिंधु नदी प्रणाली उसकी 90% से अधिक सिंचाई की जरूरतों को पूरा करती है। संधि के निलंबन से पाकिस्तान को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसकी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके अलावा, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही संकट में है। पानी की कमी से बिजली उत्पादन पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि सिंधु नदी पर बने बांध और जलविद्युत परियोजनाएं उसकी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा पूरा करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पानी की कमी से सामाजिक अशांति और आर्थिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका फायदा आतंकी संगठनों को मिल सकता है। भारत का यह कदम पाकिस्तान को जवाब देने का एक सख्त कूटनीतिक संदेश है, लेकिन

इसके अपने जोखिम भी हैं। सबसे पहले, इस निलंबन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंच सकता है। इंडस वाटर्स ट्रीटी को विश्व बैंक ने मध्यस्थता के साथ लागू किया था, और यह दोनों देशों के बीच सबसे टिकाऊसमझौतों में से एक रहा है, जो 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान भी बरकरार रहा। संधि को तोड़ने से भारत पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लग सकता है, जिससे विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसे आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। दूसरा, भारत के लिए घरेलू चुनौतियां भी हैं। पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में पहले से ही पानी की कमी एक बड़ा मुद्दा है। संधि के निलंबन से भारत इन नदियों का पानी अपने उपयोग के लिए रोक सकता है, लेकिन इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे, जैसे बांध और नहरें, बनाने की जरूरत होगी। यह एक लंबी और महंगी प्रक्रिया होगी, और इस दौरान स्थानीय किसानों और समुदायों के बीच पानी को लेकर विवाद बढ़ सकते हैं। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक आतंकी हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए। भारत ने इस हमले का आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों पर लगाया। जवाब में भारत ने न केवल सैन्य कार्रवाई की धमकी दी, बल्कि इंडस वाटर्स ट्रीटी को निलंबित करने का फैसला भी लिया। भारत का कहना है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है, और जब तक वह आतंकी गतिविधियों को रोक नहीं लेता, तब तक संधि को लागू रखना संभव नहीं है। इंडस वाटर्स ट्रीटी 1960 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत, भारत को रावी, ब्यास और सतलुज का पूरा नियंत्रण मिला, जबकि पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब का अधिकांश पानी आवंटित किया गया। भारत को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी का सीमित उपयोग, जैसे सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए, करने की अनुमति थी, लेकिन उसे पानी रोकने की अनुमति नहीं थी। यह संधि दोनों देशों के बीच तनाव के बावजूद एक स्थिर व्यवस्था के रूप में काम करती रही। इस निलंबन से भारत-पाकिस्तान संबंध और खराब हो सकते हैं। पाकिस्तान ने इस कदम को "जल युद्ध" की घोषणा करार दिया है और विश्व बैंक से हस्तक्षेप की मांग की है। विश्व बैंक ने दोनों देशों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है, लेकिन मौजूदा तनाव को देखते हुए यह मुश्किल लगता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम एक रणनीतिक दबाव की रणनीति है, जिसका मकसद पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर करना है। लेकिन अगर यह रणनीति उलटी पड़ती है, तो दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है, जिसका असर पूरे दक्षिण एशिया पर पड़ेगा। इंडस वाटर्स ट्रीटी का निलंबन भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ता है। यह कदम पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन भारत को भी इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। दोनों देशों को इस संकट से निपटने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाना होगा, वरना इसका असर न केवल इन दोनों देशों पर, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता पर पड़ सकता है।

भारत के 'सिंधु वाटर बम' से बौखलाया पाकिस्तान शिमला समझौते से हटने का कर सकता है ऐलान

विवेक सिंह

इस्लामाबाद : दक्षिण एशिया में दो परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लेते हुए सिंधु नदी जल संधि पर रोक लगा दी है। भारत ने कहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद पर प्रभावी रूप से रोक नहीं लगाता है, वह जल संधि को जारी नहीं रखेगा। इस फैसले से पाकिस्तान की बर्बादी तय मानी जा रही है, क्योंकि संधि के तहत उसे भारत से पानी मिलता है। पाकिस्तान भारत के इस कदम का जवाब देने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के सिंधु जल समझौते पर रोक के बाद पाकिस्तान ऐतिहासिक शिमला समझौता 1972 से हटने की तैयारी कर रहा है। भारत और पाकिस्तान ने 2 जुलाई 1972 को शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 1971 के भारत और पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तानी सेना की करारी हार के बाद हुआ था। इस समझौते ने दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण तरीके से विवादों के निपटारे की आधारशिला रखी।

समझौते के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में दोनों देशों द्वारा इस बात पर प्रतिबद्धता जताना था कि वे अपने विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार किए बिना निस्तारण करेंगे। पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों शिमला समझौते से हटने की चर्चा तेज हो गई है। इसे लेकर शहबाज शरीफ के ऊपर दबाव बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान में नई बहस। अगर भारत सिंधु जल संधि को अलविदा कहने पर अड़ा है, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी, तो पाकिस्तान को भी शिमला समझौते से पीछे हटने का अधिकार है, जिसकी मध्यस्थता किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था ने नहीं की थी। इसके पहले बुधवार को भारत ने पाकिस्तान के साथ चल रही सिंधु नदी जल संधि को तत्काल स्थगित करने का फैसला लिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्त्री ने बताया कि सिंधु जल संधि (1960) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह संधि तभी बहाल की जाएगी, जब पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर देगा। इसके अलावा अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है, जो लोग वैध दस्तावेजों के साथ इस मार्ग से भारत आए हैं, वे 1 मई से पहले लौट सकते हैं। इसके साथ ही, विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को पहले जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ना होगा।

'मैं ईसाई हूं तो जमीन पर गिराकर गोली मार दी', बेटे को घोड़े वाले ने बचाया, पति को खोने वाली जेनिफर

मुनेश्वर कुमार

इंदौर : पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने पहले पर्यटकों के साथ मिलकर इलाके की रेकी की। फिर उन्होंने हमला किया। इस हमले में कई लोगों की जान गई। लेकिन, कुछ बहादुर लोगों ने कई जानें बचाईं। इनमें घोड़े वाले शामिल थे। उन्होंने इंदौर के एक युवक की जान बचाई। इस युवक के पिता सुशील की इस हमले में मौत हो गई। यह दुखद घटना इंदौर के नाथनियल परिवार के साथ हुई। सुशील की पत्नी जेनिफर ने अपनी सास और सुशील की मौसी रोसिना कुमरावत को इस हमले के बारे में बताया। जेनिफर ने बताया कि पहलगाम की बैसरन घाटी में सुबह का मौसम बहुत अच्छा था। उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि आगे क्या होने वाला है। जेनिफर ने रोसिना को इंदौर एयरपोर्ट से लौटते वक्त बताया कि हम सुबह 11 बजे निकले थे। उस दिन घाटी में बहुत भीड़ थी। वहां कई घोड़े थे। मुझे घुड़सवारी का अनुभव नहीं था, इसलिए मैं थोड़ी घबराई हुई थी। जेनिफर, सुशील और उनका बेटा ऑस्टेन घोड़ों पर बैठकर घाटी में घूमने निकले। उन्होंने चाय-नाश्ता किया और तस्वीरें खींची। जेनिफर ने

बताया कि भीड़ में दो लोग कश्मीरी लिबास में थे। वे मवेशी चरा रहे थे। जेनिफर को पहले वे संदिग्ध नहीं लगे। लेकिन, एक आदमी बार-बार घूम रहा था। वह दूसरे पर्यटकों की तरह तस्वीरें नहीं खींच रहा था। जेनिफर को उसकी हरकतों पर शक हुआ। उन्हें लगा कि कुछ बुरा होने वाला है। कुछ ही देर बाद, तीन आदमी फौजी कपड़ों में भीड़ से निकले और अंधाधुंध गोलियां चलाने लगे। जेनिफर ने बताया कि किसी को भी रिएक्ट करने का मौका नहीं मिला। जो लोग रेकी करने आए थे, वे गायब हो गए। गोलियां चलने लगीं। दो जुड़वां लड़कों को बुरी तरह से गोली लगी। उन्हें बचने का मौका भी नहीं मिला। जेनिफर के अनुसार कि जब यह सब हो रहा था, तो मेरे पति ने मेरी तरफ एक जैकेट फेंकी। ऐसा लग रहा था कि वे मुझे गोलियों से बचाना चाहते हैं। इसी बीच, वे मेरे पति के पास आए। उन्होंने उनके सिर पर बंदूक रखी और उन्हें कलमा पढ़ने को कहा। जब उन्होंने कहा कि वे ईसाई हैं, तो उन्होंने उन्हें जमीन पर गिरा दिया और कई गोलियां मारीं। वहीं, जेनिफर ने आगे बताया कि गोलियां हवा में चीर रही थीं। मैं कुछ नहीं कर सकी। मुझे धक्का दे दिया गया। मैं किसी को नहीं बचा सकी। उनकी आवाज कांप रही थी। रोसिना ने बताया कि सुशील और जेनिफर की बेटी आकांक्षा उनके साथ घाटी में नहीं गई थी। वह तलहटी में ही थी। जब उसकी मां ने उसे फोन पर बताया कि आतंकियों ने उसके पिता को गोली मार दी है, तो वह तुरंत घटनास्थल की ओर भागी। इस दौरान वह घायल हो गई। रोसिना ने बताया कि आकांक्षा को कैसे चोट लगी, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। रोसिना ने बताया कि ऑस्टेन को स्थानीय घोड़े वालों ने बचाया। उन्होंने उसे घोड़ों के पीछे छिपा दिया और अलग-अलग रास्तों से नीचे ले आए। इस घटना ने नाथनियल परिवार को गहरा सदमा पहुंचाया है। सुशील की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है। जेनिफर ने अपने परिवार को बताया कि मेरे पति ने मुझे बचाने की कोशिश की। उन्होंने अपनी जान दे दी। गौरतलब है कि सुशील नाथनियल का पार्थिव शरीर बुधवार की रात इंदौर पहुंचा था। एयरपोर्ट पर सीएम मोहन यादव समेत कई मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। गुरुवार की सुबह इंदौर में उनका अंतिम संस्कार किया गया है। साथ ही चर्च में उनके लिए विशेष प्रार्थना की गई है।

एक और स्टार्ट अप का दुखद अंत, 10 हजार ड्राइवर सड़क पर

मधुरेंद्र सिन्हा

भारत में इलेक्ट्रिक कैब सेवा स्टार्टअप जेनोसोल के ब्लूस्मार्ट के बंद होने से हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। कंपनी ने फंड का दुरुपयोग किया। भारत में किसी स्टार्टअप का इस तरह बंद होना, दुखद है। वो भी तब जब इनकी सफलता के किस्से सुनाए जा रहे थे। भारत में इस समय 1.59 लाख से भी ज्यादा स्टार्ट अप काम कर रहे हैं जिनमें कुछ तो चमक रहे हैं और कुछ लुढ़क रहे हैं। ऐसा ही एक स्टार्ट अप है जेनोसोल जो ब्लू स्मार्ट के नाम से इलेक्ट्रिक कारों की कैब सर्विस बड़े शहरों में उपलब्ध करा रहा था। लेकिन अचानक ही खबर आई कि यह बंद हो गया। नतीजतन इसके 500 कर्मचारी, एग्जिक्युटिव और लगभग 10 हजार ड्राइवर सड़क पर आ गये हैं। कंपनी ने उन सभी से इलेक्ट्रिक कारें वापस मांग ली। इनकी तादाद 8700 थी। जिन निवेशकों ने इस कंपनी में पैसा लगाया वह डूबने के कगार पर है। इनमें तो दो सार्वजनिक प्रतिष्ठान हैं जिन्होंने इसे लोन दिया था। एक है पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और दूसरा है इंडियन रिन्यूवैबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड। इन दोनों ने जेनसोल को इलेक्ट्रिक कारें खरीदने के लिए लगभग 978 करोड़ रुपये का लोन दिया था। नीले-सफेद रंग की चमचमाती इलेक्ट्रिक कारें आप सभी ने देखी होगी जिन पर बड़े अक्षरों में लिखा होता था ब्लू स्मार्ट। आपने इनकी

सवारी भी की होगी और पाया होगा कि इनकी सर्विस बेहतरीन है और ड्राइवर बहुत ही सभ्य तथा प्रशिक्षित। बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई में ये बड़ी तादाद में कैब के रूप में यात्रियों को उनके गंतव्य पर पहुंचा रही थीं। इनके रेट भी पॉकेट के अनुकूल थे और ये पहले से रिजर्व किये जा सकते थे। ग्राहकों की संतुष्टि में यह कंपनी अपने प्रतिद्वंद्वियों से कहीं आगे थी। जेनसोल ग्रुप के संस्थापक जग्गी बंधुओं तथा दो अन्य ने यह स्टार्ट अप शुरू किया था और उसमें अनमोल जग्गी चेयरमैन हैं। 2018 में बेंगलुरु में जेनोसोल समूह ने नई कंपनी ब्लू स्मार्ट की स्थापना हुई थी और धीरे-धीरे उबर तथा ओला को टक्कर देने लगी। कंपनी उन्हीं के पूरे नियंत्रण में थी और वह जैसा चाहते थे, वैसा ही होता था। उन्होंने आदेश दिया कि कंपनी के 500 कर्मचारी घर से काम करें। ऐसा ही हुआ लेकिन यह एक चाल थी ताकि समय पर कंपनी बंद कर दी जाये। कंपनी बंद करके उन कर्मियों को दो महीने की सैलरी तक नहीं दी गई। अब कई मीडिया संस्थान अनमोल जग्गी से पूछताछ कर रहे हैं लेकिन उन्होंने किसी ईमेल या फोन का जवाब नहीं दिया है और पर्दे के पीछे चले गये हैं। बाजार नियामक सेबी ने न केवल इनकी जांच शुरू कर दी है बल्कि जग्गी बंधुओं पर प्रतिबंध लगा दिया है कि वे शेयर बाजार में न उतरें। उसने अपने 29 पेज के अंतरिम आदेश में साफ कहा है कि निवेशकों के पैसे का दुरूपयोग और डयवर्जन हुआ है। पता चला है कि निवेशकों की 977.75 करोड़ रुपये की पूंजी को जग्गी बंधुओं पुनीत सिंह जग्गी और अनमोल सिंह जग्गी ने इधर-उधर कर दिया है। ये पैसे इलेक्टिरिक कारें खरीदने के लिए दिये गये थे। सेबी ने कहा है कि जग्गी बंधुओं ने सेबी को बरगलाने का षडयंत्र किया है।.सेबी ने कहा है कि कंपनी ने रेटिंग एजेंसियों के फर्जी पत्र उसे दिये हैं। जग्गी भाइयों ने बिजनेस में लगाने के लिए दिये धन को बेदर्दी से उड़ाया। यह भी पता चला है कि भाइयों ने गुड़गांव के अति पॉश कैमेलिया हाउसिंग सोसायटी में 35 करोड़ का फ्लैट खरीदा है। उन्होंने 20-20 करोड़ रुपये अपने नजदीकी रिश्तेदारों को भी बांटा है। सेबी के आदेश के बाद दोनों भाइयों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है लेकिन अब इससे ही काम चलने वाला नहीं है क्योंकि इन भाइयों के खिलाफ ईडी ने भी जांच शुरूकर दी है जिसका कहना है कि इन लोगों ने सट्टेबाजी के लिए कुख्यात बहुचर्चित महादेव बुक ऐप्प के जरिये पैसे अपने आईपीओ में लगाये थे। ईडी ने इनकी पैरेंट कंपनी जेवसोल के पांच लाख शेयरों को फ्रीज कर दिया है। इस कंपनी के शेयरों का हाल भी बुरा है। ये शेयर अपने अधिकतम रेट 1126 रुपये प्रति शेयर से गिरकर अब 106 रुपये पर जा पहुंचा है जिससे निवेशक सक्ते में हैं। इस कंपनी में भारत सरकार के दो प्रतिष्ठानों ने भारी निवेश किया था। जेनसोल ने कुल 977.75 करोड़ रुपये का लोन लिया था। इसमें से 663.89 करोड़ रुपये 6,400 इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदे के लिए मुकर्रर किये गये थे लेकिन सेबी के मुताबिक कंपनी ने इस पैसे से सिर्फ 4.704 कारें खरीदीं। इनकी कीमत 567.73 करोड़ रुपये थी। यानी 262.13 करोड़ रुपये का कोई अता-पता नहीं है। शर्तों के मुताबिक जेनोसोल को इक्विटी में 20 फीसदी खर्च करना था जो उसने नहीं किया। जेनोसोल में निवेश करने वालों में देश के मशहूर खिलाड़ी महिन्द्र सिंह धोनी, सुपर स्टार दीपिका पाडुकोण और भारत पे के अशनीर ग्रोवर भी हैं। बताया जा रहा है कि दीपिका ने 30 लाख डॉलर की फंडिंग की थी। ऐसा बताया जाता है कि पूर्व भारतीय कप्तान क्रिकेटर धोनी ने इस कंपनी में 400 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की फंडिंग की है। बजाज कैपिटल्स के एमडी संजीव बजाज ने भी 2019 में 30 लाख डॉलर की फंडिंग की थी। निवेशकों के साथ इतनी बड़ी धोखाधड़ी का यह मामला हमें अतीत में हुए रैनबैक्सी घोटाले की याद दिलाता है जिसमें भी दो भाई मालविंदर सिंह और शिवेन्दर सिंह ने बहुत बड़ा फ्रॉड किया था और अब वे दोनों जेल में हैं। 2013 में इस धोखाधड़ी की परतें खुलीं और तब लोगों को इन भाइयों की कारगुजारी का पता चला। इन दोनों ने अमेरिका में भी धोखाधड़ी की थी जहां उन्हें मोटी रकम का जुर्माना भुगतने का आदेश दिया गया है। दिल्ली पुलिस के आर्थिक अपराध विंग ने 2397 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप इन लोगों पर लगाया था। बहरहाल जेनोसोल की कहानी भारत के कॉर्पोरेट में सेक्टर में हुए बड़े घोटालों की एक दास्तान है। लालच और अति महत्वाकांक्षा ने एक नए स्टार्ट अप को विनाश की ओर धकेल दिया है। इसके प्रमोटर मुफ्त के पैसे से अय्याशी करना चाहते थे लेकिन अब उनकी जिंदगी में कांटे ही कांटे ।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए समय सारणी में बदलाव

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा स्कूलों के समय सारणी में बदलाव का आदेश दिया गया है। राज्य सरकार के निदेश के आलोक में उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं निजी विद्यालयों में वर्ग ङ्रसे कक्षा आठ की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से 11:30 बजे तक एवं वर्ग 09 से वर्ग 12 तक की कक्षाएँ सुबह 07:00 बजे से 12:00 मध्याह्न तक संचालित करने का निदेश दिया गया है। निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा निर्देश के अनुरूप आरटीई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। यह आदेश आदेश दिनांक 26.04.2025 के प्रभाव से लागू रहेगा।

डी ए वी में 28 दीप जलाकर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़, स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों के आत्मा शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रंद्धाजलि अर्पित किया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में आतंकवादियों द्वारा 28 सैलानियों की बर्बरता पूर्वक हत्या के विरोध में विद्यालय प्राचार्य, कर्मचारी एवं छात्रगणों ने शांति मार्च का आयोजन किया एवं 2 मिनट का मौन धारण कर मृत आत्माओं के शांति हेतु प्रार्थना किया। तत्पश्चात बच्चों ने 28 दीप जलाकर सभी मृत आत्माओं को श्रंद्धाजलि दी एवं शहीदों को नमन किया। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने आतंकवाद की इस क्रूरता की कड़ी निंदा करते हुए बताया कि बच्चों का यह कदम आतंकवाद के खिलाफ श्रद्धांजलि नहीं बल्कि हमारी एकजुटता और मानवीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पहलगाम में हुए इस निर्मम हमले ने देश के नागरिक को झकझोर दिया है। यह हमला सिर्फ कुछ व्यक्तियों पर नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, हमारे साझा जीवन मूल्यों और शांति की हमारी परंपरा पर हमला है।

कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया

साहिबगंज: उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा तालझारी प्रखंड अंतर्गत कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित और निमार्णाधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की तथा लाभुकों से बातचीत कर योजना की पारदर्शिता एवं संतुष्टि की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें तथा लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराएं। मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त ने उपस्थित श्रमिकों से बातचीत कर कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और उन्हें समय पर मजदूरी भुगतान का आश्वासन दिया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल आपूर्ति की योजना की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए योजना को शत-प्रतिशत घरों तक पहुँचाया जाए। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

देवघर जिले में स्मार्ट सिटी की तर्ज पर बनाया जायेगा ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी:-उपायुक्त विशाल सागर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राज्य सरकार देवघर जिले के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में देवघर में बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए नगर विकास विभाग द्वारा रांची स्मार्ट सिटी की तर्ज पर ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी बनाने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर द्वारा 500 एकड़ जमीन चिन्हित करते हुए जल्द ही प्रस्ताव तैयार कर भेजा जायेगा।

इसके अलावे ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी में स्पेसियस हाउसिंग कॉलोनी, कम्युनिटी सेन्टर, सुरक्षा के दृष्टिकोण से हाई रेज्युलेशन सीसीटीवी कैमरा, बस व वाहनों के परिचालन हेतु सड़क के अलावा आपातकालीन सेवा हेतु (एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन आदि) डेडिकेटेड रोड की सुविधा, बेहतर कनेक्टीवीटी सुनिश्चित की जायेगी। साथ ही सोलर सिस्टम और ग्रीनरी समेत पर्यावरण के अनुकूल एनर्जी कॉज वेल्यु से लैस सिटी का निर्माण होगा, जिससे जिलावासियों को आधुनिक सुविधायुक्त ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी में रहने का अवसर मिलेगा।

26 अप्रैल को चार स्टेशनों में धरना प्रदर्शन: मोहम्मद इकबाल

साहिबगंज : एम जी आर वर्कर्स यूनियन महामंत्री मोहम्मद इकबाल द्वारा बताया गया कि 26 अप्रैल 2025 को फरक्का ललमटिया एम जी आर रेल में मजदूरों के सवाल पर हड़ताल तथा एम जी आर के चार स्टेशनों में धरना तथा आंदोलनात्मक कार्यक्रम होगा।दिनांक 26 अप्रैल 2025 को एम जी आर के चार स्टेशन क्रमश कुमारपुर ,बरहेट, पथरा एवं ललमटिया स्टेशनों पर धरना आंदोलनात्मक कार्यक्रम एवं मजदूरों का हड़ताल करने का निर्णय यूनियन की बैठक में लिया गया ।एम जी आर पर कार्यरत मजदूरों के पिछले 25 साल से उनका भविष्य निधि का सवाल लगातार उठाने के बावजूद इसका निपटारा नहीं हो सका। जिससे मजदूरों का पेंशन का काम एवं ईएसआई कार्ड लंबे समय से लटका हुआ है अगस्त 2024 में वेतन समझौता के बावजूद शिफ्टिंग ड्यूटी में कर्जरात मजदूरों को राष्ट्रीय अवकाश का छुट्टी भी ना उन्हें मिलता है और ना उन्हें बदले पर दूसरे दिन छुट्टी मिलता है। एम जी आर में कार्यरत नाइट गार्ड को गर्मी, बरसात, जाड़ासे बचाव के लिए उन्हें हर साल में झोपड़ी का सुविधा पिछले दो साल से बंद है लेवल क्रॉसिंग में कार्यरत मजदूरों को अपग्रेड करने के सवाल पर एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अस्वस्थ किया गया था। कि आपका अपग्रेशन होने पर आपको दक्ष मजदूर बनाया जाएगा। एनटीपीसी प्रबंधन लगातार अस्वस्थ करते रहे कि आपका समस्या का निधन वेतन समझौता के समय हो जाएगा लेकिन इस का निराकरण नहीं हुआ मजदूर के भविष्य निधि के सवाल पर लगातार दबाव बनाने के क्रम में आज से 5 महीना पहले चारों स्टेशन में एनटीपीसी कैंप किया था और मजदूरों के सारे कागजात कंप्यूटर में लोड किया गया था लेकिन इस दिशा में कोई पहल नहीं किया गया आज से 8 महीना पहले एम जी आर में कर्जरत मजदूरों से वेलफेयर फंड के नाम से उसके वेतन से पैसा काट कर ठेकेदार अपने पास रखा लेकिन इस फंड से किसी मजदूर को कोई लाभ हासिल नहीं हुआ। यूनियन की ओर से इस सवाल को एनटीपीसी प्रबंधन और एम जी आर प्रबंधन के समक्ष रखा गया जिसमें प्रबंधन का कहना है कि मजदूर का पैसा काटना बंद कर दे 6 प्रति महीना के हिसाब से मजदूरों को लौटा दे पर अभी तक नहीं मिला। एम जी आर रेल में कार्यरत नाइट गार्ड का शिफ्टिंग ड्यूटी का रोस्टर तैयार नहीं हुआ नाइट गार्ड का मनमानी हजारी काटा जा रहा है। वयस्क कामगारों का बदली के सिलसिले में तथा मृत कामगारों के बदले परिवार के सदस्यों को काम में रखने की परिपाटी मगर के शुरू होने के दौर से चला आ रहा है वेतन समझौता के समय में चर्चा के दौरान एनटीपीसी प्रबंधन ने बताया कि केवल बदले में कामगार के पुत्र को ही रखा जाएगा लेकिन एम जी आर के शुरूआत से पुत्र नहीं रहने की स्थिति में दामाद को रखने की परिपाटी शुरू से चला आ रहा है लेकिन एनटीपीसी अब इसे बंद करना चाह रहा है पिछले दिनों कर्जरत मजदूर के प्रतिनिधि यूनियन, ठेकेदार, एम जी आर के पदाधिकारी एवं एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अफसरों की बैठक प्रति माह होता रहा लेकिन अगस्त 2024 में हुए वेतन समझौता के बाद कोआर्डिनेशन में एनटीपीसी प्रबंधन तथा एम जी आर प्रबंधन की ऑफिसर ही भाग लेते हैं ठेकेदार भाग नहीं लेता है लगातार प्रबंधन को बताते जा रहा है की बैठक में जो भी फैसला होता है इसका कार्यन्यन ठेकेदार नहीं करते हैं जबकि लगातार यूनियन की ओर से बताया जा रहा है कि हर बैठक में संवेदक का उपस्थिति का गारंटी किया जाए मजदूरों को इसका पे स्लिप 3 महीना 4 महीना के अंतराल में हासिल होता है जो गैर कानूनी है। वेतन समझौता के बाद एक साजिश के तहत एम जी आर वर्कर्स यूनियन पर एनटीपीसी प्रबंधन से रिश्वत लेने का आप एक ठेकेदार द्वारा लगाया गया जबकि फरक्का प्लांट में जनवरी 2024 में वेतन समझौता हुआ वही वेतन समझौता अगस्त 2024 में एम जी आर के लिए वेतन समझौता के लिए हस्ताक्षर हुआ। इस वेतन समझौते में वर्ष 1993 से 2019 तक लगातार एम जी आर वर्कर्स यूनियन के साथ ही वेतन समझौता हुआ वर्ष 2024 में एम जी आर में एक नया यूनियन भी हिस्सा लिया और हस्ताक्षर किया यह श्रम कानून के वेलफेयर लेबर प्रैक्टिस के दायरे में आता है ।एम जी आर वर्कर्स यूनियन लगातार श्रमिकों के हित में संघर्ष करते आ रहा है इस सवाल को एनटीपीसी तथा एम जी आर के प्रबंधन के समक्ष रखा गया लेकिन इसे ठठते हैं ।मजदूरों पर हमलात्मक कार्रवाई के खिलाफ 26 अप्रैल को मगर रेल में हड़ताल होगी।

रोजेक्ट जागृति के तहत रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

200 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले के सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ये शिविर रक्त अधिकोष, पुराना सदर अस्पताल, पाकुड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हिरणपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लिट्टीपाड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमड़ापाड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में लगाया गया। शिविर में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने स्वैच्छिक रूप से किया रक्तदान उपायुक्त मनीष कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान न केवल राष्ट्रीय आवश्यकता को पूरा करता है, बल्कि

यह समाज और मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा भी है। उन्होंने कहा कि आप सभी द्वारा दिए गए रक्त से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि दुर्घटना की वजह से घायल या बीमारी की वजह से रक्त की कमी से जूझ रहे व्यक्ति को, रक्त मिलने से उस व्यक्ति का जीवन बच पाता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए। पाकुड़ जिले में खून की कमी से किसी की मौत न हो। जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रोजेक्ट जागृति के तहत पाकुड़ जिले में प्रत्येक माह के 24 तारीख को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिकाधिक संख्या में रक्त का संग्रह किया जाये और जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर उपायुक्त ने रक्तदाता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

नगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई 5 दिनों के अंदर चोरी हुई कार को किया बरामद

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बीते 19 अप्रैल को नगर थाना क्षेत्र के कृष्णा मार्केट के पास से चोरी की गई स्विफ्ट कार नगर पुलिस ने बरामद किया, पुलिस ने मामला दर्ज होने के 5 दिनों के अंदर जप्त करते हुए एक को गिरफ्तार किया है. बताया गया कि साहिबगंज जिला के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलदारचक के रहने वाले मोहम्मद अजहर जो कि निजी काम से पाकुड़ शहर के कृष्णा मार्केट के पास आए थे और इसी दौरान किसी काम से वह व्यस्त हो गए। इसी बीच उनका स्विफ्ट कार JH04W9851की चोरी हो गई. वहीं उन्होंने इसकी शिकायत नगर थाना में किया उनके शिकायत पर नगर थाना में कांड संख्या 116 / 25 दर्ज किया गया और इसके साथ ही नगर थाना प्रभारी ने तुरंत एक पुलिस टीम का गठन किया और पुलिस टीम ने 5 दिनों के अंदर नगर थाना क्षेत्र से उक्त स्विफ्ट कार को जप्त करते हुए एक को गिरफ्तार कर किया हैं, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम मनीरूल अंसारी है और वह साहिबगंज जिला अंतर्गत तालझारी थाना क्षेत्र के भतभंगा गांव का रहने वाला है. वही इस बावत थाना प्रभारी प्रयाग दास के द्वारा बताया गया कि स्विफ्ट कार की चोरी हुई थी और उसको लेकर थाना में लिखित शिकायत के आलोक में मामला दर्ज किया गया था मामला दर्ज होते ही इस पर त्वरित कार्रवाई की गई और 5 दिनों के अंदर उक्त

स्विफ्ट कार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है. गिरफ्तार व्यक्ति का आपराधिक इतिहास रहा है. वही छापेमारी टीम में नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास,अवर निरीक्षक कन्हैया कुमार यादव, राहुल कुमार,सुबल कुमार डे,सहायक अवर निरीक्षक सनातन मांझी,अश्लोक कुमार पांडे के साथ थाना के सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे.

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 197 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़: पाकुड़ सदर प्रखंड के जादूपुर एवं संग्रामपुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पाकरिया, हिरणपुर प्रखंड के बाबूझुटी एवं पाकुड़िया प्रखंड के मोहनपुर में आयुष विभाग की ओर से गुरुवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 197 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० सौरभ विश्वास, डॉ० मो आबूतलीब शेख, डॉ अफरोज आलम, डॉ० कुलेश कुमार एवं डॉ० वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

नगर के बीचो-बीच बालु लदा ट्रक हुआ पंचर, ट्रक को खनन निरीक्षक ने किया जप्त

भाजपा नेता ने राज्य सरकार पर उठाए सवाल और प्रशासन की नाकामी पर उठाए सवाल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़: पाकुड़ जिले में अवैध खनिज परिवहन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां न केवल पत्थर, कोयला और बालू का अवैध परिवहन बड़े पैमाने पर हो रहा है, और प्रशासन की ओर से किसी भी ठोस कदम की कमी व प्रशासनिक शिकंजा कमजोर साफ तौर पर महसूस की जा रही है। दरअसल इसका खुलासा तब हुआ जब नगर के बीचो-बीच रविंद्र चौक के समीप एक बालू लदा ट्रक हइ59ऊ0346 का पहिया खराब हो गया। जिसमें ओवरलोड बालू प्रतीत हो रहा था। मौके पर जिला खनन निरीक्षक सुबोध सिंह और परिवहन विभाग के जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश सिंह ने पहुंच स्ट्रक्कर कर अलग से पुछताछ किया तो चालक ने बताया कि वह जामताड़ा से बालू लोड कर

पश्चिम बंगाल के मालदा जिला जा रहा था।प्रारंभिक जांच में ट्रक की परमिट फेल पाई गई, जिसके बाद विभाग ने कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष अमृत पांडे मौके पर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि, ₹आए दिन पाकुड़ जिले में अवैध कारोबार बढ़ रहा है और यह सब राज्य सरकार के इशारे पर हो रहा है। जिला प्रशासन को अवैध खनन की जानकारी होने के बावजूद वे आंखें मूंदे हुए हैं।₹अमृत पांडे ने आगे कहा, ₹यह सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है। पिछले कुछ दिनों में हमने पाकुड़ उपायुक्त को इस मुद्दे पर आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोयला, बालू और पत्थर का अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है, और प्रशासन इस पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर रहा।₹भाजपा नेता ने सरकार की नाकामी पर जोर देते हुए कहा, ₹झारखंड की जनता ने कभी भी ऐसी नाकाम सरकार की उम्मीद नहीं की थी। आने वाले चुनावों में लोग इस सरकार को मुंहतोड़ जवाब देंगे।₹वहीं, खनन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक को जप्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मांडर प्रखंड मुख्यालय सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - प्रखंड मुख्यालय सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का के द्वारा गाँव और पंचायत को स्वच्छ रखने का शपथ सभी पंचायत समिति सदस्यों ने संकल्प लिया,और राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के महत्व पर चर्चा की गई। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण विकास में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया। मौके पर उपस्थित

अधिकारियों और पंचायत समिति के सदस्यों ने पंचायती राज व्यवस्था के विकास और सुधार के लिए अपने अपने विचार साझा किए पंचायती राज व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए योजनाएं बनाई गईं। ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका को और प्रभावी बनाने के लिए चर्चा की गई ।इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी मांडर, उप प्रमुख अमानत अन्सारी, बीपीआरओ,सीताराम साहू, कोडीनेटर अर्पणा कुजूर, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर संचिता कुमारी, कुलदीप कुजूर, रूमोला कुजूर मासूक अली,सुगीता उरांव, सुमति,रिंकू कच्छप समेतऔर लोग भी उपस्थित थे।

सीसीएल के आठ अधिकारियों की हुई ट्रांसफर

महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने दी सम्मानपूर्वक विदाई

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा।आम्रपाली-चन्द्रगुप्त क्षेत्र के सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) से आठ अधिकारियों का स्थानांतरण पदोन्नति के उपरांत किया गया है। सभी अधिकारियों को मैनेजर से सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नत किया गया है। इस अवसर पर महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने विदाई समारोह में उपस्थित होकर अधिकारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्थानांतरित अधिकारियों के नाम और नवीन पदस्थापन स्थल निम्नलिखित हैं: पवन कुमार गुप्ता क्षेत्रीय गुणवत्ता अधिकारी,सुशिल कुमार क्षेत्रीय उत्खनन अधिकारी,दिगंबर यादव परियोजना सुरक्षा अधिकारी,प्रमोद कुमार काडडिया भूमि एवं राजस्व विभाग,उपरोक्त सभी का ट्रांसफर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, ओडिशा की गई है। रथिस कुमार क्षेत्रीय सेल्स अधिकारी,अशोक मंडल अधिकारी ये दोनों का ट्रांसफर बीसीसीएल,धनबाद तथा के पी सिंह क्षेत्रीय ई एंड एम अधिकारी की ट्रांसफर एसईसीएल, छत्तीसगढ़ किया गया है। समारोह के दौरान स्टाफ अधिकारी (पी एंड पी) समेत क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा की इन सभी अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में सराहनीय सेवाएं दी हैं। हम उनके भविष्य की सफलता की कामना करते हैं।

विद्यासागर की हुंकार: तिरंगा कैंडल मार्च में आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता, पहलगाम शहीदों को श्रद्धांजलि

विद्यासागर, जामताड़ा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 28 पर्यटकों की याद में विद्यासागर शहर गुरुवार शाम आक्रोश और शोक से एकजुट हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) की अगुवाई में सैकड़ों छात्र-नागरिकों ने तिरंगा-कैंडल मार्च निकाल कर पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवाद मुर्दाबाद के गगनभेदी नारे लगाए।

मौन श्रद्धांजलि

शहर के सरस्वती विद्या मंदिर, हाइ स्कूल व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय समेत कई शिक्षण संस्थानों में दो-तीन मिनट का मौन रख कर दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वक्ताओं की चेतावनी

ABVP प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निर्भय मंडल ने कहा, भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझा जाए।ह्व नगर मंत्री अमित कुमार ने केन्द्र सरकार से खून का बदला जल्द लेने का आह्वान किया। झारखंड छात्र संघ ने मृतकों को शहीद का दर्जा और परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने की माँग दोहराई। नगर अध्यक्ष बलबीर यादव व उपाध्यक्ष रमेश मंडल ने जोर दिया कि आतंकवाद को मुँहतोड़ जवाब दिए बिना शांति संभव नहीं।

व्यापक सहभागिता

मार्च में नगर सह मंत्री विक्की दास, अजय मंडल, भीम मंडल, धीरज मुन्ना, कृष्णा सहित दर्जनों छात्र-कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक सम्मिलित हुए। भीड़ ने सरकार से कठोर कार्रवाई की माँग करते हुए भविष्य में ऐसे हमले रोकने का संकल्प लिया।

श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज 24 अप्रैल को मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन यज्ञा बाबा आश्रम के मुख्य महंत भरत दास जी महाराज ने बताया कि आचार्य श्यामसुंदर शर्मा भारद्वाज के अगुवाई मे महायज्ञ मंडप मे विद्वान पुजारियों द्वारा धूपाधिवास,दीपाधिवास एवं फलाधिवास विधि विधान से मंत्रोपचारण के साथ पूजा अर्चना हुआ जिसमें हजारों श्रद्धालुगण एवं भक्तगण शामिल हुए वहीं शाम को भागवत कथा वाचक गया पीठाधीश्वर स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने अपने मधुर वाणी से संगीतमय भागवत की महिमा को सुनाई।उन्होंने आज भगवान कृष्ण के जन्म के प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा भगवान हर गर्भ

में,हर जगह एवं कण-कण में होते हैं लेकिन उन्हें प्रकट करने के लिए भगवान से प्रेम करने की आवश्यकता होती है। देवकी वासुदेव भगवान के अनन्य भक्त थे घोर तपस्या करके भगवान से उन्होंने वरदान मांगा था कि हे प्रभु आप मुझे पुत्र के रूप में प्राप्त हो तो भगवान उनके यहां पुत्र बनकर आए और भगवान ने अनेक लीलाएं की आगे महाराज जी ने बताया भगवान को प्रसन्न करने के लिए एवं उनके चरणों में प्रेम बढ़ाने के लिए कलयुग मे सबसे सरल यही उपाय है कि भगवान का नाम,जाप एवं कीर्तन हमेशा करते रहे।भगवान नाम जाप करने से बहुत जल्द ही प्रसन्न होते हैं।आज के इस धार्मिक महायज्ञ मे मुख्य यजमान की भूमिका संतोष कुमार पांडेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्षी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार के साथ निभाई। आज के समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रांची के पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय,उनके भाई सुनील सहाय,गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ,रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय,समाजसेवी राम बहादुर सिंह ने भगवान जी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से मंदिर के पुजारी विकास पांडेय,आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,डॉ. अनिल कुमार,रिषिकेश लाल, अजीत कुमार,श्याम पांडेय,चंदन पांडेय,सुनील कुमार,रूपम झा, सिंधु बाला,सुनीता देवी, उमरावती देवी,सुनीता तिवारी, सुमित्रा पांडेय,अंजली उपाध्याय, लक्ष्मीना दुबे,श्रीयांशी,सोना मंडल,सवानंद दुबे,संतोष कुमार आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा समिति की बैठक सम्पन्न, शिक्षकों के स्थानांतरण व वेतनमान पर दिए गए निर्देश

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में माध्यमिक शिक्षा स्थापना समिति एवं जिला शिक्षा (समग्र) परियोजना कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना और इससे जुड़े प्रशासनिक पहलुओं की समीक्षा करना था।बैठक में उपायुक्त द्वारा प्रवरण वेतनमान से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन की प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्ट निर्देश जारी किए गए। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव न पड़े।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष तथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

बाघवार अकादमी के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड में किया शानदार प्रदर्शन विद्यालय में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - दिन गुरुवार को बाघवार अकादमी के प्रांगण में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (SOF) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा (10 दिसंबर 2024) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करने हेतु एक गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में विद्यालय के छात्रों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और ज्ञान से सभी को चौंका दिया। बच्चों के इस असाधारण प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय का नाम रौशन किया, बल्कि क्षेत्र का भी मान बढ़ाया। बच्चों को पदक एवं प्रमाणपत्र विद्यालय के निदेशक अशोक बाघवार के कर-कमलों द्वारा प्रदान किए गए। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, यदि किसी व्यक्ति में सच्ची निष्ठा और लगन हो, तो कोई भी मंज़िल असंभव नहीं होती। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक हरे कृष्णा सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अरुण बाघवार, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएँ एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। इस समारोह ने छात्रों को आगे की परीक्षाओं में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। बच्चों की उपलब्धियां विद्यालय के गौरव का प्रतीक हैं और शिक्षा की उत्कृष्टता की दिशा में एक सशक्त कदम भी।

देवघर में विश्व मलेरिया दिवस की पूर्व संध्या पर जन-जागरूकता अभियान, मलेरिया उन्मूलन में जनभागीदारी पर बल

देवघर। मलेरिया का अंत हमारे साथ इसी संकल्प को लेकर देवघर स्वास्थ्य विभाग ने विश्व मलेरिया दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर कमर कस ली है। सिविल सर्जन डॉ. युगल किशोर चौधरी के नेतृत्व में जिलेभर में मलेरिया के खिलाफ जन-जागरूकता और रोकथाम की मुहिम तेज कर दी गई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि मलेरिया से लड़ाई सिर्फ दवा या डॉक्टर की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। रोकथाम ही सुरक्षा है। मच्छरों को पनपने से रोकें टंकियों को ढकें, जमे पानी में कीटनाशक डालें और मच्छरदानी जरूर इस्तेमाल करें। देवघर जिले में मलेरिया के मामले न्यूनतम हैं, लेकिन बाहर से आए संक्रमित व्यक्तियों की पहचान और त्वरित उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग

सतर्क है। सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्यकर्मियों के पास निःशुल्क जांच व दवा की सुविधा उपलब्ध है। पिछले 5 वर्षों में देवघर में मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट देखी गई, जिसमें 2020 सिर्फ 1 मामला,2024 में 13 मामले,2025 जनवरी-मार्च केवल 2 मामले,जिला भीबीडी सलाहकार डॉ. गणेश कुमार यादव ने बताया कि इस बार की थीम मलेरिया का अंत हमारे साथ : पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन जनसहभागिता को केंद्र में रखकर मलेरिया से स्थायी मुक्ति का संकल्प दिलाती है।

25 अप्रैल को होगी विशेष बैठक व शपथग्रहणः

विश्व मलेरिया दिवस के दिन जिला यक्ष्मा नियंत्रण केंद्र में अंतर्विभागीय बैठक, उन्मुखीकरण व शपथग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं, प्रखंड स्तर पर रैलियों, नुक्कड़ नाटकों व प्रचार-प्रसार के जरिए आम जनता को जागरूक किया जाएगा।

एसडीओ ने चिकित्सकों से वार्ता कर दो दिनों से चली आ रही कार्य बहिष्कार व अनिश्चितकालीन हड़ताल को कराया समाप्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज कार्य बहिष्कार और हड़ताल के दूसरे दिन भी जिले के सभी चिकित्सक एकजुट हो कर सदर अस्पताल के सभागार में उपस्थित हुआ आज भी कार्य बाधित रहा।आज दिन की बैठक में यह जानकारी आई एम ए और झासा के सदस्यों के बीच आई की आरोपित में से 2 लोगों की गिरफ्तारी कर ली गईं है,संबंधित थाने के प्रभारी द्वारा इसकी पुष्टि की गई।आज की कार्य बहिष्कार बैठक में लगभग 70 चिकित्सकों की उपस्थिति रही।जिला प्रशासन के द्वारा यह पहल किया गया और आई एम ए, झासा के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क कर यह कहा गया कि वे संगठन के लोगो के साथ बैठ कर बात करना चाहते

है,इसके लिए देर शाम 7 बजे का समय निर्धारित किया गया। सदर अस्पताल के सभागार में बैठक आहूत की गई जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी,नगर थानाध्यक्ष,सिविल सर्जन डॉ जुगल किशोर चौधरी,आई एम ए के अध्यक्ष डॉ धन्वंतरि तिवारी,डॉ आर एन प्रसाद,सचिव डॉ गौरी शंकर,सदर अस्पताल के वरीय दन्त चिकित्सक सह झासा के राज्य संयोजक डॉ शरद कुमार,जिला सचिव सह उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन,जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉ संजय कुमार,जिला संयोजक डॉ अनिकेत,डॉ सौरभ सुल्तानिया,डॉ अमित केशरी,डॉ अमित प्रसाद,डॉ निशांत चौरसिया,डॉ आर के मिश्रा मौजूद रहे।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि जो भी बचे हुए आरोपित है उसको भी जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।दो आरोपित की गिरफ्तारी और बचे हुए लोगों की गिरफ्तारी जल्द होगी आश्वाशन के बाद आई एम ए के अध्यक्ष डॉ धन्वंतरि तिवारी द्वारा हड़ताल और कार्य बहिष्कार को वापस लेने की घोषणा कर दी गई।

टंडवा में बड़े पैमाने पर किया गया बालू का भंडारण, कार्रवाई की मांग

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। प्रखंड क्षेत्र गाडिलौंग के हरदियाबांध में बड़े पैमाने पर अवैध बालू का भंडारण की चर्चा जहां जोरों पर है वहीं भंडारण किसने करवाये हैं इसकी जवाबदेही लेने के लिये फिलहाल कोई सामने नहीं आया है। वहीं सोशल मीडिया में खबर वायरल होने के बाद ग्रामीण जिला प्रशासन से समुचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दावा किया जाता है कि जिला प्रशासन को शामिल सफेदपोशों के गठजोड़ों द्वारा गुमराह कर बालू के कारोबार से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का चूना लगाते हैं। औने- पौने दर पर ट्रेक्टरों से खरीद कर उसे ऊंचे दामों में निर्माण कार्य में लगी कंस्ट्रक्शन कंपनियों को बेंचा जाता है जिससे चंद लोग हीं मालामाल होते हैं। सूत्रों के अनुसार अवैध कमाई के हिस्सों की निर्धारित राशि कुछ सफेदपोशों को दी जाती है जो ऐसे अवैध कारोबारियों को छत्रछाया प्रदान करते हैं।

रंग लाया सूरज का प्रयास, शिवगंगा मुक्तिधाम शिवगंगा मुक्तिधाम तालाब की हुई सफाई, मिलेगी राहत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

निगम क्षेत्र अंतर्गत शिवगंगा तट पर स्थित श्मशानघाट के तालाब की सफाई की गई। झामुमो नेता व समाजसेवी सूरज झा की पहल पर श्मशान में नगर आयुक्त रोहित सिन्हा के निर्देश पर सफाई किया गया। श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने वाले मृतक के परिजनों को जल की अनुपलब्धता के वजह से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। लोग शिवगंगा से बार बार पानी लाकर कर्म संपन्न करते थे। ऐसे में उन्हें अथाह परेशानी का सामना करना

पड़ता था। बीते दिनों बोरिंग का भी काम सूरज के पहल पर कराया गया था। गुरुवार को नगर निगम के रोड कुली व सफाई कर्मी द्वारा तालाब की साफ सफाई कराई गई। मौके पर सूरज स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने कर्मियों को बेहतर तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया ताकि लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मुक्तिधाम में लोगों को पानी के अभाव के वजह से लोगों बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। चूंकि यहां हर काम में लोगों को पानी की आवश्यकता होती थी और उन्हें शिवगंगा पर आश्रित होना होता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। तालाब में पानी स्टॉक हो गया है। इस संबंध में लोगों की बार बार मांग आती थी मेरे पास, समस्या वाजिब थी और इसका समाधान नितांत आवश्यक था। जल्द ही मुक्तिधाम आने वाले लोगों को पानी की दिक्कत नहीं होगी। सूबे में संवेदनशील सरकार है, मंत्री हफीजुल हसन व नगर आयुक्त का इस कार्य के लिए विशेष आभार।

पुण्यतिथि का आयोजन उनके पौत्र अमन कुमार गुप्ता के निजी आवास पर आयोजित किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज मोहनपुर हाट में स्वर्गीय उदय नारायण साह तीसरा पुन्य तिथि का आयोजन किया गया स्थानीय युवाओं एवं समाजसेवीयो के द्वारा कीया गया उनके चित्र छाया पर भाजपा नेता चंद्रमोलेश्वरी यादव धनंजय झा जगन्नाथ यादव झुनझुन झा देवनारायण दास शिवम राउत शेखर सुमन यादव अशोक यादव समाजसेवी सुधीर यादव एवं युवा स्वयंसेवी अभिषेक ठाकुर वीरू गुप्ता संतोष कापरी वी एच पी नेता भोला गुप्ता महेंद्र प्रसाद साह बबलू घोष हरगोरी यादव प्रकाश यादव जीतू यादव सिकंदर यादव परमेश्वर यादव हरगोविंद यादव सुनील यादव विभूति झा के द्वारा पुष्पांजलि अर्पीत कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया स्वर्गीय उदय नारायण शाह जी जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक के कार्यों एवं कीये गये संघर्ष के कार्यकाल की एवं समर्पण को लेकर चर्चा किया गया ।

तालझारी प्रखंड के कर्णपुरा पंचायत में उप विकास आयुक्त ने किया योजनाओं का निरीक्षण

साहिबगंजः उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा तालझारी प्रखंड अंतर्गत कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित और निमार्णाधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की तथा लाभुकों से बातचीत कर योजना की पारदर्शिता एवं संतुष्टि की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें तथा लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराएं।मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त ने उपस्थित श्रमिकों से बातचीत कर कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और उन्हें समय पर मजदूरी भुगतान का आश्वासन दिया।जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल आपूर्ति की योजना की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए योजना को शत-प्रतिशत घरों तक पहुँचाया जाए।निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आगामी चार मई को नीट-यूजी परीक्षा की तैयारी को लेकर डीसी ने परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित होने वाले नीट-यूजी परीक्षा की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र सीएम एसओई गर्ल्स, पाकुड़ एवं सीएम एसओई +2 राज हाई स्कूल, पाकुड़ केन्द्र का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण परीक्षा केंद्र की तैयारियों और व्यवस्था की जांच करने के लिए किया गया, ताकि परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से हो सके। उपायुक्त ने केंद्र के विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया, जिसमें परीक्षा केंद्र की व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और अन्य संबंधित मामलों का शामिल था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र के अधिकारियों से भी बात की और परीक्षा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक सुझाव दिए। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, मुख्यालय डीएसपी जितेन्द्र कुमार, एन०टी०ए नोडल एवं एडीपीओ पीयूष कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

सदर अस्पताल का विधायक ने किया निरीक्षण दिया कई दिशा निर्देश

साहिबगंज :जिले के सबसे बड़े सदस्य अस्पताल दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है जिसको लेकर बोरियो विधायक धनंजय सोरेन ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक ने मरीजो को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा जो भी सुविधा है मरीजो अवश्य मिलनी चाहिए। बढ़ते गर्मी को देखते हुए विधायक ने दो कैंट लगाने का निर्देश दिए है। ताकि मरीजो को भीषण गर्मी में ठंडा पानी पीने को मिल सके।वही ओपीडी, आईपीडी समेत अन्य विभागों का जायजा लेते हुए कई निर्देश देते हुए कहा कि जो भी कमी है उसे पूरा करे। इसके बाद विधायक ने किया रक्तदान इस दौरान विधायक ने युवाओं को रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्त की कमी को दूर करना जरूरी है। ताकि एनीमिया से पीड़ित मरीजो की जान बचाया जा सके। इधर विधायक ने सभी एलटी व अस्पताल मैनेजर के साथ बैठक कर ब्लड बैंक से सम्बंधित जानकारी हासिल की है। विधायक ने कहा कि रक्तदाता के लिए ब्लड बैंक में मूलभूत सुविधा होना जरूरी है। किसी भी तरह की कमी है उसे पूरा करने का निर्देश दिए है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया , डॉ मोहन मुर्मू, लैब टेक्नीशियन मो. अजहर, चंदन कुमार, दिलीप कुमार शर्मा, आदि थे।

मांडर में मुस्लिम संगठन से जुड़े लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान सरकार का किया पुतला दहन

पुतला दहन करने पहुंचे लोग

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के विरोध में गुरुवार को मांडर के ब्रांबे चौक में मुस्लिम संगठन से जुड़े लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान सरकार का पुतला दहन किया. इस अवसर पर लोगों ने आतंकवाद मुदार्बाद, पाकिस्तान मुदार्बाद, हत्यारों को फांसी दो के नारे लगाये गये और घटना की निंदा की गयी और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गयी और कहा गया कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ है. वक्ताओं ने कहा कि आतंकवाद किसी धर्म जाति और मजहब का नहीं होता है. आतंकवादी जो कोई भी हो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए. मौके पर मुख्य रूप से इरशाद इमाम, रांची जिला कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष राजीव रंजन राजू, झारखंड तंजीम के प्रवक्ता मौलाना शाकिर इस्लाही, रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, प्रकाश तिग्गा, नासिर अंसारी, हसन अंसारी, जब्बार अंसारी, तनवीर इमाम, शाहबाज आलम, रामे उरांव, फैसल अंसारी, रेयाजुल अंसारी आदि मौजूद थे!

मांडर, ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - रांची लोहरदगा रेलवे लाइन पर कुम्बा टोली के निकट ट्रेन की चपेट में आने से बुधवार की रात को एक वृद्ध की मौत हो गयी. वृद्ध की पहचान बिसाहाखटंगा निवासी जूलियन बाड़ा के रूप में की गयी है. बताया गया कि गुरुवार की रात को कुम्बा टोली के निकट रांची लोहरदगा रेलवे लाइन के पोल संख्या 453/16 और 453/17 के बीच में किसी ने वृद्ध का शव पड़ा हुआ देखा था और इसकी सूचना मांडर पुलिस को दी थी. पुलिस ने रात को शव को कब्जे में ले लिया था. बाद में सुबह उसकी पहचान हुई. शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है!

देवघर में विश्व मलेरिया दिवस की पूर्व संध्या पर जन-जागरूकता अभियान, मलेरिया उन्मूलन में जनभागीदारी पर बल

देवघर। मलेरिया का अंत हमारे साथ इसी संकल्प को लेकर देवघर स्वास्थ्य विभाग ने विश्व मलेरिया दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर कमर कस ली है। सिविल सर्जन डॉ. युगल किशोर चौधरी के नेतृत्व में जिलेभर में मलेरिया के खिलाफ जन-जागरूकता और रोकथाम की मुहिम तेज कर दी गई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि मलेरिया से लड़ाई सिर्फ दवा या डॉक्टर की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। रोकथाम ही सुरक्षा है। मच्छरों को पनपने से रोकें टंकियों को ढकें, जमे पानी में कीटनाशक डालें और मच्छरदानी जरूर इस्तेमाल करें। देवघर जिले में मलेरिया के मामले न्यूनतम हैं, लेकिन बाहर से आए संक्रमित व्यक्तियों की पहचान और त्वरित उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्यकर्मियों के पास निःशुल्क जांच व दवा की सुविधा उपलब्ध है। पिछले 5 वर्षों में देवघर में मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट देखी गई, जिसमें 2020 सिर्फ 1 मामला,2024 में 13 मामले,2025 जनवरी-मार्च केवल 2 मामले,जिला भीबीडी सलाहकार डॉ. गणेश कुमार यादव ने बताया कि इस बार की थीम मलेरिया का अंत हमारे साथ : पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन जनसहभागिता को केंद्र में रखकर मलेरिया से स्थायी मुक्ति का संकल्प दिलाती है। 25 अप्रैल को होगी विशेष बैठक व शपथग्रहणः विश्व मलेरिया दिवस के दिन जिला यक्ष्मा नियंत्रण केंद्र में अंतर्विभागीय बैठक, उन्मुखीकरण व शपथग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं, प्रखंड स्तर पर रैलियों, नुक्कड़ नाटकों व प्रचार-प्रसार के जरिए आम जनता को जागरूक किया जाएगा।

रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को किया समर्पित तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की दी सौगात

हाजीपुर – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिला के लोहना में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित किया तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात दी। जिन ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उनमें जयनगर पटना नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा लोकमान्य तिलक अमृत भारत एक्सप्रेस तथा दो पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। नमो भारत रैपिड रेल के बारे में विस्तार से बताते हुए रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया कि दो शहरों के बीच तेज रफ्तार, आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। यह ट्रेन इंटरसिटी ट्रैवल के लिए देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2 हजार से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद-भुज के बाद यह देश की दूसरी 'नमो भारत' रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी। नमो भारत रैपिड रेल तेज एक्सेलरेशन और आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की जरूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगी हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित माॅड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय और डस्ट-प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है। इस ट्रेन की एक खासियत इसका 'कवच' सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिक्टेशन सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी-परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है। ट्रेन में रूट-मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे। यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। आपातकालीन लाइटिंग, एलईडी लाइटिंग और अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से यात्रियों को एक शांत और रोशनी से भरा माहौल मिलता है। सहरसा और लोकमान्य तिलक के बीच चलाई गई अमृत भारत एक्सप्रेस के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। यह ट्रेन आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिजाइन किया गया है। इस्के कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिजाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है। अमृत भारत एक्सप्रेस की सेफ्टी फीचर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है। अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है जिससे ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का महारथी भी बनाती है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

ATM एवं BTM अनिश्चितकालीन धरना में बैठे हुए थे जबरन स्थानीय नेताओं एवं जिला कृषि पदाधिकारी के मिली भगत के द्वारा धरना समाप्त कर दिया गया

कोडरमा संवाददाता

कार्यालय कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण आत्मा कोडरमा जिला कार्यालय के समक्ष जो हम सभी चयनित अभ्यर्थी तारीख 15/04/2025 से जो अनिश्चितकालीन धरना में बैठे हुए थे। हम लोगों के साथ जबरन तथा कठिक कुछ स्थानीय नेताओं एवं जिला कृषि पदाधिकारी के मिली भगत के द्वारा दिनांक 22/04/2025 को धरना समाप्त करने की । और कहा गया कि यह जो आम समिति से जो लिखित समझोता नामा बन रहा है कि नए सिरे से एक महीने के अंदर बहाली की प्रक्रिया की जाएगी जिस पर आप भाग लेंगे इस बात पर हमलोग सहमत है और अपना आंदोलन समाप्त कर रहे हैं डर से हम लोग थरथरा रहे थे ऐसा माहौल तैयार किया गया कि एक अभियार्थि ही उस पर अपना हस्ताक्षर कर दिया हमलोगों का आम सहमति नहीं बना है इससे पहले उसी दिन हम सभी अभियार्थियो के साथ उपयुक्त से बात हुई थी उन्होंने भी हमलोगों को ये बोले थे कि गलती विभाग की तरफ से हुई है और अगर आप लोग हाईकोर्ट जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं क्योंकि बहाली को निरस्त हमने किया है तो हम ही इसे लागू नहीं कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की इसमें कोई गलती नहीं है इसलिए या आपबीती हम सभी प्रेस के माध्यम से उजागर कर रहे हैं और नई बहाली के साँठगांठ से नियुक्ति करने पर जो कृषि पदाधिकारी उतारू है इसे हम सब गलत समझ रहे हैं हम लोग जल्द उच्च न्यायालय जाने वाले हैं निश्चित ही हमलोगों को न्यायपालिका पर भरोसा है हमें न्याय मिलेगी।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय देवीपुर में छात्रा की मौत मामले में वार्डन के विरुद्ध केस दर्ज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अचानक छात्रा मधु कुमारी जो वर्ग सप्तम में अध्ययनरत थे। उनके मौत के मामले में मृतक के पिता सरदार यादव ग्राम नावाडीह के द्वारा वार्डन पिंकी कुमारी के विरुद्ध थाना में आवेदन दिया गया। जिसमें आवेदन में वार्डन के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसके पर देवीपुर थाना में कांड अंकित कर मामले में छानबीन कर रही है। वहीं विभाग की ओर से आरोपी वार्डन को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय देवीपुर से हटाया गया।

पहलगाम के दोषियों को कठोर सजा दी जाए

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बी.डी पब्लिक स्कूल, शिवाला में सभी शिक्षकों एवं बच्चों ने पहलगाम में निर्दोष भारतीयों को धर्म के आधार पर नाम पूछ -पूछकर आतंकियों द्वारा निःशंस हत्या करने के आक्रोश में एक आक्रोश सभा की गई.. जिसमें जान गंवाने वाले भारतीयों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई.. मार्गदर्शक अवध किशोर मिश्र ने कहा कि इस नृशंसता की भर्त्सना के लिए शब्द नहीं मिल पा रहे हैं.. हृदय में अथाह मर्मांतक पीड़ा के साथ साथ असीम गुस्सा भी है.प्रत्येक भारतीय इस कायराना हरकत के लिए जिम्मेवार लोगों एवं आतंकियों और उनके समर्थकों को कठोर से कठोरतम दंड की अपील कर रहा है. वह त्वरित कारवाई देखना चाहता है.. ऐसी कारवाई.. जिससे भविष्य में ऐसे घृणित करने में उन देश द्रोहियों की रूह काँप जाए।

प्रतिमा विध्वंस पर सियासत गरमः लोजपा नेता बिजय कुमार अकेला ने प्रशासन की निष्क्रियता पर उठाए सवाल

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना पर लोजपा नेता सह प्रदेश सचिव सह रोहतास जिला सह प्रभारी बिजय कुमार अकेला ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार देते हुए प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया है। श्री अकेला ने कहा कि यह केवल एक मूर्ति तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज को बांटने की गहरी साजिश है। उन्होंने पूर्व की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि दाउदनगर के महावर गांव में रामविलास पासवान की प्रतिमा और तरारी में संत रविदास जी की प्रतिमा को भी पहले क्षतिग्रस्त किया गया, लेकिन प्रशासन ने केवल खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। भेदभाव की राजनीति का आरोप लगाते हुए उन्होंने प्रशासन से दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। अकेला ने हसपुरा प्रखंड के कई पंचायतों में मंदिरों में मांस रखने जैसी घटनाओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि ये समाजिक समरसता को बिगाड़ने की कोशिशें हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो लोजपा सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। अब समय आ गया है कि प्रशासन अपनी चुप्पी तोड़े और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करे, ताकि ऐसी घटनाएं दोहराई न जा सकें,।

उपहारा पुलिस ने फरार नामजद अभियुक्त को किया गिरफ्तार, न्यायालय से था कुर्की वारंट जारी

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)उपहारा थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी स्वर्गीय मेघराम के पुत्र अम्बिका राम पर थाना कांड संख्या 32/21 के तहत न्यायालय द्वारा कुर्की वारंट निर्गत किया गया था। थानाध्यक्ष मनेश कुमार ने जानकारी दी कि अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

औरंगाबाद पुलिस ने जिले के टॉप-10 सूची में शामिल एवं लूट कांड को अंजाम देने वाले कुख्यात अपराधी को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- पुलिस ने जिले के टॉप-10 सूची में शामिल एवं लूट कांड को अंजाम देने वाले कुख्यात अपराधी को किया गिरफ्तार। इस बात की जानकारी पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने अपने कार्यालय के सभागार कक्ष में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि औरंगाबाद को अपराध मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से हत्या, लूट, डकैती जैसे गंभीर अपराध के कांडों में वांछित अपराधकमीयों के गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक-09.01.2016 को हसपुरा थानांतर्गत पचरुखिया के पास उजाला रंग का स्कार्पियो पर सवार अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा चालक एवं कंडक्टर को बंधक बनाते हुए ट्रक पर लवे हल्दी वाहन सहित लूट की गई थी। इस संदर्भ में हसपुरा थाना कांड संख्या-07/2016, दिनांक-09.01.2016 में सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। इसी मुहिम के तहत पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद द्वारा अपने निर्देशन में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी दाउदनगर के नेतृत्व में एक SIT का गठन किया गया। इसी SIT को टॉप-10 की सूची में शामिल शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। औरंगाबाद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए पूर्व में ही लूट की गई ट्रक को डेहरी, रोहतास से बरामद किया एवं इस काण्ड में संलिप्त 10 अभियुक्तों में से 07 अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा इनके विरूद्ध आरोप पत्र समर्पित है। गठित रक्ळ टीम द्वारा सी०सी०टी०वी० फूटेज का अवलोकन, आसूचना संकलन, ह्यूमन इनटेलीजेन्स एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल कुख्यात अपराधी रोहित कुमार जो पिछले 10 वर्षों से पुलिस के डर से भागा फिर रहा था उसे अथक प्रयासों एवं लगातार छापामारी कर दिनांक-23. 04.2025 को हसपुरा थानान्तर्गत ग्राम कोइलवा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना अपराध स्वीकार किया एवं न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। शेष अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध लगातार छापामारी की जा रही है जल्द ही गिरफ्तारी सुनिश्चित कर ली जायेगी।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से सिजेरियन ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत

परिजनों ने लगाया पेशाब की नश काटने का आरोप

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह थाना मुख्यालय के तुलसी बिगहा में एक झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से सिजेरियन ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान गोह थानाक्षेत्र दरधा गांव निवासी संकर गुप्ता की पत्नी रोमी देबी के रूप में हुई है. मृतका के परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर प्रसव के दौरान नस काटकर हत्या करने का आरोप लगाया है.गुस्साए परिजनों ने शव को क्लिनिक के पास रखकर सड़क जाम कर मुआबजे की मांग करने लगे। थानाध्यक्ष के हस्तक्षेप के एक घंटे बाद जाम को हटाया गया। परिजन ने बताया की दरधा गांव निवासी संकर गुप्ता की पत्नी रोमी देबी को डिलीवरी कराने के लिए गोह के तुलसी बिगहा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. निजी क्लिनिक के चिकित्सक ने नॉर्मल प्रसव की जगह ऑपरेशन करने को कहा. हालांकि परिजन ऑपरेशन कराने को तैयार नही थे, लेकिन झोलाछाप डॉक्टर ने परिजनों को ऑपरेशन करने का दबाव दिया. इसके बाद उसका ऑपरेशन करने लगा. आरोप हैं की सिजेरियन के दौरान डॉक्टर ने मरीज के पेशाब का एक नस काट दिया. जब महिला की स्थिति बिगड़ी तो झोलाछाप डॉक्टर ने गया रेफर कर दिया। परिजनों ने गया लें गये। जहां के चिकित्स्कों ने जांच के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया जहां एक निजी में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर गोह पहुंचे हलाकी जानकारी मिलते ही डॉ ने आनन फान्न में क्लिनिक का बोर्ड हटाकर ताला बंद कर फरार हो गये। परिजनों ने शव को क्लिनिक के पास रखकर उपहारा गोह पथ को जाम कर दिया। इस दौरान लगभग एक घंटा जाम लगा रहा। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मो इरसाद ने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर आक्रोशतो को समझा बुझा कर जाम हटवाया। गोह थानाध्यक्ष मो इरसाद ने बताया कि परिजनों का आरोप था की झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला की मौत हुई है.लेकिन परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया हैं।परिजनों के द्वारा आवेदन मिलने पर आगे की कारवाई की जाएगी। फिलहाल घटना के बाद से झोलाछाप डॉक्टर फरार चल रहा है.

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में भीषण गर्मी एवं लू की तैयारियां के निमित्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में भीष्ण गर्मी एवं लू की तैयारीयों के निमित्त समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागर में आयोजित की गई। इस बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा गर्मी के मौसम में संभावित आपदा से सुरक्षा हेतु विभागवार समीक्षा की। गर्मी के कारण जिले में हो रहे हीट वेव (लु),सुखाड़,पीने का पानी की कमी, लू जैसे आपदा से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पदाधिकारी के द्वारा सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस घोल, दवाइयां, मरीज के लिए बेड, डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ती, कुलर आदि का समुचित व्यवस्था किया जाए। जिला पदाधिकारी के द्वारा यह भी बताया गया कि किसी भी परिस्थिति लू से ग्रसित मरीजों के इलाज में कोताही नहीं बरती जाए। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी नगर परिषद/ नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से संबंधित वार्डो में पेयजल की समस्या की तैयारी किस प्रकार कर रहे हैं इसकी बिंदुवार जानकारी ली एवं वार्डो में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था टैंकर, वाटर एटीएम एवं पेआउ के माध्यम से माध्यम से करने का निर्देश दिए। कार्यपालक अभियंता पीएचईडी से चापाकल की मरम्मत की स्थिति, नल जल की मरम्मत की स्थिति, नए चापाकल अधिष्ठापन की स्थिति एवं कितना जगह चापाकल फेल हुआ है उसकी स्थिति का जायजा लिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में अधिकांश जगह आग लग रही है जो बेहद ही चिंता का विषय है इस पर काबू पाया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारीयों से आग लगने का मुख्य कारण अवगत हुए एवं फसल कटनी के बाद आग लगाने वाले किसानों को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश सभी अंचल अधिकारी को दिये। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी के द्वारा जिले में संभावित बाढ़ एवं सुखाड की तैयारी से संबंधित समीक्षा की गई आवश्यक दिशा संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिये। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता श्री ललित रंजन भूषण, अपर समर्थ आपदा श्री उपेंद्र पंडित, वरीय उपसमाहर्ता मेराज जमील एवं रितेश कुमार यादव, कार्यपालक अभियंता पीएचडी एवं विद्युत, सिविल सर्जन, एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी एवं जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी ने जनता दरबार लगाकर कई समस्याओं का निष्पादन किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का निष्पादन किया। इस जनता दरबार में जिला पदाधिकारी द्वारा कुल-07 ग्रामीणों की परिवाद सुनवाई करते हुए त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों के पास परिवाद पत्र भेजते हुए यथाशीघ्र मामला को निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। दायर परिवाद पत्र में राजाराम चौधरी एवं अन्य, ग्राम-कंचनपुर, प्रखण्ड-ओबरा के द्वारा ग्राम पंचायत कंचनपुर, प्रखण्ड ओबरा के पंचायत सरकार भवन पंचायत मुख्यालय में न बनाकर ग्राम तेन्दुआ हरकेश में अवैध तरीके से बनाने के संबंध में, श्रीमती रीता देवी, लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, ग्राम+पो० मिजार्पुर, पंचायत अंकोरहा, गाम माली, प्रखण्ड-नवीनगर के द्वारा ग्राम मिजार्पुर में लक्ष्मी रलऋके सदस्य रीता देवी से अगरबती मशीन खरीद के दौरान अवैध ढंग से पैसा निकासी के संबंध में, श्रीमती देवन्ती कुमारी, ग्राम-बगाही, पो०-जयगोविन्द नगर (मखरा) थाना-बारूण के द्वारा पिता के मृत्यु के बाद नौकरी और पैसा पर रोक लगाने के संबंध में, अशोक पाण्डेय, ग्राम-अम्बा धमनी, सिमरी धमनी, थाना-माली, प्रखण्ड-नवीनगर के द्वारा खतियानी जमीन में मुख्य मंत्री ग्रामीण सड़क में गलत तरीका से अंचल अधिकारी, नवीनगर के मापी के संबंध में इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा अन्य ग्रामीणों का परिवाद पत्र का सुनवाई किया गया।

शुक्र गुलजार शनि बहार के कार्यक्रम में अनिल कुमार चंचल द्वारा गजल की बेहतरीन प्रस्तुति

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में शुक्र गुलजार शनि बहार कार्यक्रम के निमित राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लेखक, गजल गायक एवं गीतकार अनिल कुमार चंचल की प्रस्तुति की गई।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज डेहरी ऑन सोन के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह,दानिका के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी एवं अन्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। डॉ रविंद्र रविंद कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का संचालन लोक संगीत की मशहूर गायिका अंजली सिंह द्वारा किया गया। आगत अतिथियों को अंग वस्त्र, पुष्पहार एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अनिल कुमार चंचल ने गजल की बेहतरीन प्रस्तुति दी। जिंदगी के विभिन्न आयामों,प्रतिमानों एवं संघर्षों से संबोधित लय. ताल में जब उन्होंने गजल को गाया तो दर्शक दीर्घा में बैठे लोग गीत के बोल के साथ-साथ गुनगुनाने लगे। मुख्य अतिथि ने संबोधन के क्रम में कहा कि दानिका के द्वारा जिस तरह से कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं वह आने वाले भविष्य में एक नजीर साबित होगी।संगीत की दुनिया में डॉ रविंद्र कुमार ने जो मुकाम हासिल किया है इसके लिए इन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाना चाहिए।दानका के केंद्राधीक्षक शशि देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।आज के कार्यक्रम में मोहित सिंह,शिवांगी सिंह, संगीत शिक्षक वेद प्रकाश, खुशबू कुमारी,रवि शंकर सहित अन्य उपस्थित थे।

आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के चार कदम

>> विचार

"सच यह है कि यह हमला कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमला है। इस साल कश्मीर में टूरिस्ट बड़ी संख्या में आने शुरूहुए थे। यह हमला उन्हें रोकने के लिए था। ऐसी घटना के बाद कम से कम इस टूरिस्ट सीजन में तो कश्मीर का सबसे बड़ा धंधा ठप्प पड़ जाएगा। हज़ारों परिवारों का रोजगार छिन गया है। कश्मीरी भी इस आतंकी घटना के शिकार हैं। आतंकवादियों से लड़ते हुए सैयद हुसैन शाह ने अपनी जान कुर्बान की है। कश्मीर के तमाम राजनीतिक नेताओं और पार्टियों ने इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। पहली बार किसी आतंकी घटना के खिलाफ़ पूरा कश्मीर बंद हुआ है, मस्जिदों से इसके ख़िलाफ़ पैग़ाम दिए गए हैं। अगर हम समझदारी दिखाए तो यह कठिन घड़ी कश्मीर और शेष भारत को एक दूसरे के नज़दीक ला आतंकियों को मुंह-तोड़ जवाब देने का अवसर बन सकती है।

योगेंद्र यादव

पहलगाम में आतंकियों द्वारा निदोष नागरिकों की नृशंस हत्या की तस्वीरें देख कर किस इंसान का कलेजा नहीं फटेगा, किस न्यायप्रिय व्यक्ति का खून नहीं खौलेगा? शोक के साथ क्षोभ होगा। जिम्मेदारी तय करने और सजा देने की इच्छा होगी। तुरत-फुरत बदला लेने और सबक सिखाने की माँग होगी। आतंकवादी यह जानते हैं, और यही चाहते हैं। टीवी और सोशल मीडिया के इस युग में आतंकवादी यह योजना बनाते हैं की उनकी किस कार्यवाही से किस तरह की प्रतिक्रिया होगी। भावना के उबाल में हम अक्सर ठीक वही सब करते हैं जो आतंकवादी हमसे करवाना चाहते थे। आतंकवाद के खिलाफ़ हमारी सफलता यह नहीं है की हमने कितना आक्रोश दिखाया, कितना जल्दी बदला लिया। हमारी सच्ची सफलता यह होगी की हमने आतंकवादियों के असली मंसूबों को किस तरह समझा और विफल किया। अमरीकी उपराष्ट्रपति के भारत दौरे के बीच इतना बड़ा हमला करने के पीछे आतंकियों के आकाओं की जरूर यह सोच रही होगी कि इससे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तू-तू-मैं-मैं होगी, भारत की कमजोरी दुनिया के सामने उभरेगी। इसलिए हमारा पहला दायित्व बनता है कि हम इस समय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से बाज आएं। चाहे महाकुंभ में हुई मौत हो या फिर दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौत, किसी भी दुर्घटना के तुरंत बाद सामूहिक शोक की बजाय जूतमपैजार अशोभनीय है। यह समय शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े होने का है, अपने राजनीतिक हिसाब किताब का नहीं। लेकिन जब यह खेल आतंकवादी हमले के बाद खेले जाते हैं तो सिर्फ अशोभनीय ही नहीं, राष्ट्र को कमजोर करने वाले कदम साबित होते हैं। बेशक, अपने जमाने में बीजेपी ने खुलकर ऐसी खेल खेले थे। नरेंद्र मोदी ने तो 2008 के आतंकी हमले के बीचों-बीच मुंबई में जाकर मनमोहन सिंह सरकार की आलोचना करते हुए प्रेस कांफ्रेंस तक की थी। लेकिन अगर उस समय विपक्ष ग़लत था तो आज भी विपक्ष द्वारा ऐसी कोई हरकत ग़लत होगी। ज़िम्मेदारी तय करने का वक्त आयेगा, लेकिन आज वो समय

नहीं है। आज राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री या प्रधानमंत्री का इस्तीफ़ा मांगने का समय नहीं हैं। अगर हम आतंकवादियों के मंसूबों को विफल करना चाहते हैं पक्ष-विपक्ष या विचारधारा की दीवार के आर पार सब भारतीयों को आज एक साथ खड़ा होने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान और नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा गृह मंत्री अमित शाह को फ़ोन कर समर्थन देना सही दिशा में सही कदम हैं। आतंकवादियों की दूसरी योजना यह रही होगी कि इस हत्याकांड से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़कर विस्फोटक बिंदु पर पहुँच जाय। जनता के ग़ुस्से के दबाव में भारत सरकार को जल्दबाजी में कुछ जवाबी कार्यवाही करनी पड़े। भारत-पाकिस्तान में सीमा पर तनाव बढ़ेगा तो पाकिस्तानी की राजनीति में फौज का वजन बढ़ेगा, आतंकियों के सरगना और ताकतवर बनेंगे। अगर हम आतंकियों की इस रणनीति को विफल करना चाहते हैं तो जरूरी है कि हम सरकार पर तुरंत बदले की कार्यवाही दिखाने का दबाव ना बनायें। पहलगाम हत्याकांड की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन ने ली है, वैसे भी यह साफ़ था की इस घटना के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। जाहिर है भारत सरकार को इसका जवाब देना होगा। लेकिन जल्दबाजी और दबाव में की गई किसी कार्यवाही से टीवी की सुर्खियां तो बन जाती हैं, वोट भी मिल सकते हैं, लेकिन आतंकवाद पर लगाम नहीं लगती। वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऊपरी तौर पर बदला लेने की बजाय चुपचाप पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद समर्थक साबित करते हुए उसे अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की। सबक यह है कि सरकार पर फौरी दबाव डालने की बजाय उस पर भरोसा किया जाय ताकि सेना, सुरक्षा एजेंसियां और राजनयिक सही समय पर और अपने तरीके से आतंकवाद के पाकिस्तानी आकाओं को जवाब दे सकें। पहलगाम के आतंकियों की तीसरी साजिश यह रही होगी कि इससे कश्मीर और शेष भारत के बीच की दरार और चौड़ी हो जाएगी। पाकिस्तानी सेना के इशारे पर चलने वाले आतंकवादियों की दरिंदगी का ठीकरा हमारे अपने कश्मीर की जनता के सिर फोड़ने से आतंकवादियों की यह साज़िश कामयाब हो जाएगी। सच यह है कि यह हमला कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमला है। इस साल कश्मीर में टूरिस्ट बड़ी संख्या में आने शुरू हुए थे। यह हमला उन्हें रोकने के लिए था। ऐसी घटना के बाद कम से कम इस टूरिस्ट सीजन में तो कश्मीर का सबसे बड़ा धंधा ठप्प पड़ जाएगा। हज़ारों परिवारों का रोजगार छिन गया है। कश्मीरी भी इस आतंकी घटना के शिकार हैं। आतंकवादियों से लड़ते हुए सैयद हुसैन शाह ने अपनी जान कुर्बान की है। कश्मीर के तमाम राजनीतिक नेताओं और पार्टियों ने इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। पहली बार किसी आतंकी घटना के खिलाफ़ पूरा कश्मीर बंद हुआ है, मस्जिदों से इसके ख़िलाफ़ पैग़ाम दिए गए हैं। अगर हम समझदारी दिखाए तो यह कठिन घड़ी कश्मीर और शेष भारत को एक दूसरे के नज़दीक ला आतंकियों को मुंह-तोड़ जवाब देने का अवसर बन सकती है। पहलगाम के आतंकियों की सबसे गहरी साजिश भारत में हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा-फ़साद करवाने की है। उन्होंने अपने शिकारों की शिनाख्त उसके धर्म से की, चुन-चुन कर हिंदुओं को मारा। उनकी योजना साफ़ थी - उन्हें भरोसा था कि भारत में बहुत लोग उनकी नकल करेंगे। जैसे उन्होंने धर्म के नाम पर इंसानों को मारा उसी तरह दूसरे लोग भी अब धर्म के नाम पर हमला करेंगे। हिंदू-मुसलमान की आग में भारत को जलाने का षड्यंत्र है यह। इसलिए जो भी पाकिस्तानी आतंकियों से बदला लेने के नाम पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ़ ज़हर उगलता है, जो नाम और कपड़ों से इंसान की शिनाख्त करता है, वो आतंकवादियों के षड्यंत्र का हिस्सा बनता है। पहलगाम का हत्याकांड भारत में नफ़रत की आग फैलाने की योजना है। हिंदू-मुस्लिम एकता का संकल्प लेना और कहीं भी साम्प्रदायिक आग ना लगने देना ही पहलगाम के आतंकवादियों को सबसे करारा जवाब है।

संपादकीय

पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करना होगा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला चिंताजनक है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा पर हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दौरे पर हैं। आतंकी सेना और पुलिस जैसी वर्दी में थे। सभी के पास एके-47 और दूसरे हथियार थे। आतंकी हमले के बाद सामने आए वीडियो में इस बात की पुष्टि हुई है कि हथियारबंद हमलावरों ने नाम पूछकर गोली मारी। यह पर्यटकों पर ही हमला नहीं है, बल्कि स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी हमला है, जिनकी आजीविका पर्यटन पर निर्भर है। निर्वाचित सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद लगा था कि कश्मीर में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है, लेकिन बीच-बीच में हुई छिटपुट आतंकी वारदातों से इस बात का संकेत मिल रहा था कि आतंकी मौके की तलाश में हैं। हाल ही पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की बयानबाजी ने भी आतंकियों के हौसले को बढ़ाया है। उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया था। उन्होंने 'टू नेशन थ्योरी' का जिक्रकरते हुए हिंदुओं के खिलाफ नफरती बयान देते हुए कहा था कि पाकिस्तानियों को नहीं भूलना चाहिए कि हम उनसे अलग हैं। बदहाली और कई स्थानों पर विद्रोह से जूझ रहे पाकिस्तान को एकजुट रखने के लिए शायद जनरल मुनीर को नफरती भाषण की जरूरत महसूस हुई हो, लेकिन उनकी बातों से पाकिस्तान का भी बड़ा तबका सहमत नहीं हो सकता। इसके बावजूद कट्टरपंथियों को जनरल मुनीर की बातों से ताकत मिली होगी और उनको जनरल मुशर्रफ की याद आ गई होगी, जो भारत के खिलाफ छद्म युद्ध तेज करने के लिए जाने जाते हैं। जनरल मुनीर के बयानों से आतंकियों का दुस्साहस निश्चित रूप से बढ़ा है, इसका प्रमाण कश्मीर में हुआ आतंकी हमला है। असल में बांग्लादेश में तख्तापलट और वहां भारत विरोधी भावनाओं के उभार के बाद पाकिस्तान की शैतानी आंखों में चमक है। उसे लगता है कि अब उसे बांग्लादेश का साथ भी मिल जाएगा। चीन के साथ संबंध मजबूत करके पाकिस्तान अमरीका की कमी पूरी करने में पहले से ही लगा हुआ है। कश्मीर हथियाने के साथ ही 1971 का बदला लेने के लिए वह भारत में अशांति फैलाने की नए सिरे से कोशिश कर सकता है। यह साफ हो गया है कि पाकिस्तान, भारत में आतंकी हमलों के साथ धार्मिक अलगाव भी पैदा करना चाहता है। पाकिस्तान की इस कुटिल चाल को समझते हुए देश में अमन-चैन बनाए रखना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी समुदायों की यह जिम्मेदारी है कि देश का माहौल नहीं बिगड़े। सरकार आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी ही। सुरक्षा एजंसियां चौकस हैं और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूरी स्थिति पर निगाह रखे हुए हैं। इस संवेदनशील मौके पर सभी राजनीतिक दलों को एकजुटता दिखानी होगी। पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने और उसे कड़ा जवाब देने की रणनीति पर काम करना होगा।

पहलगाम : हमला पाकिस्तान प्रायोजित, लेकिन क्या केंद्र सरकार की नाकामी कुछ कम है?

संजय पराते

नोटबंदी के बाद मोदी सरकार का दावा था कि आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को खत्म करते हुए दूसरा दावा था कि आतंकवाद की जड़ को खत्म कर दिया गया है। संसद में इस सरकार ने बार बार अपनी पीठ ठोंकी है कि कश्मीर घाटी में सब ठीक है, आतंकवाद कांग्रेस के जमाने की चीज रह गई है। कल पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले ने साबित कर दिया कि जम्मू कश्मीर में न आतंकवाद की जड़ खुदी है और न कमर टूटी है। कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि बलूचिस्तान में ट्रेन पर हुए हमले में भारत का हाथ है। भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच ऐसे आरोप-प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन क्या यह बात मानी जा सकती है कि केवल पाकिस्तान ही भारत पर आतंकी हमला करता रहता है और पाकिस्तान के अंदर भारत कोई गड़बड़ी नहीं करता? हो सकता है कि ये आतंकी हमला इसी की प्रतिक्रिया हो। यदि न भी हो, तो भी इस हमले के पाकिस्तान प्रायोजित होने में किसी को कोई संदेह नहीं है। सवाल सिर्फ यही है कि यदि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ है, तो भारत सरकार की आंख और कान (इंटेलीजेंस) कहां थी, क्या कर रही थी? जैसी कि खबरें छनकर आ रही है कि ऐसी अनहोनी होने की भनक इंटेलीजेंस को थी, उसका सक्रिय न होना या निष्क्रियता की हद तक जाकर ऐसी सूचनाओं को नजरअंदाज करना हमारी इंटेलीजेंस की सक्षमता पर और बड़े सवाल खड़े करता है। इतना ही बड़ा सवाल खड़ा होता है कश्मीर मामले को डील करने में केंद्र सरकार की नीतियों की विफलता पर। पिछले 12 सालों में कम-से-कम 6 बड़े हमले हुए हैं, जिनमें कम-से-कम 95 लोगों की जान गई है। पिछला हमला तो पिछले साल जून में ही हुआ था। भाजपा सरकार लोगों को सुरक्षा देने में और हमलावरों को पकड़ने में बार-बार फेल हुई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लेने के बाद इस राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार और विधानसभा की कोई खास भूमिका नहीं है। इस राज्य और यहां के नागरिकों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और उसके अधीनस्थ गृह मंत्रालय और केंद्रीय सुरक्षा बलों की और इस प्रदेश के उपराज्यपाल की है। इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज

सिन्हा को इस घटना की और इससे निपटने में सरकार की नाकामी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस समय इस केंद्र शासित प्रदेश की आबादी लगभग 1.4 करोड़ होगी। पुलिस, अर्ध सैनिक बलों और सैन्य बलों को मिलाकर 4 लाख से ज्यादा जवान यहां तैनात है, यानी हर 35 नागरिक पर एक जवान। इतने सघन सशस्त्रीकरण के बावजूद, किश्तवाड़ जंगल के रास्ते से हमलावरों का आना, पर्यटकों पर 15 मिनट तक अंधाधुंध गोलीबारी करके 27 लोगों की हत्या कर देना आश्चर्य की बात है। लेकिन इससे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर है कि इतने संवेदनशील क्षेत्र में भी इस हमले के समय पुलिस या सुरक्षा बल का कोई जवान तक तैनात नहीं था, जो हमलावर आतंकवादियों पर गोली चलाता। यही कारण है कि सुरक्षा बलों की ओर से एक भी गोली नहीं चली और न ही हमले के तत्काल बाद पीड़ितों को कोई मेडिकल सुविधा मिली। इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई। देश के किसी भी हिस्से में लोगों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी से सरकार मुकर नहीं सकती। फिर यह हमला केंद्र की मोदी सरकार की असफलता नहीं, तो और क्या मानी जाएगी? पाकिस्तान प्रायोजित इस हमले की जितनी निंदा की जाए, कम है, लेकिन इतना ही यह भी साफ है कि कश्मीर के मामले में इंटेलीजेंस की चौकसी और भारत सरकार की नीतियां बार-बार फेल हुई है। हमले के तुरंत बाद गोदी मीडिया और संघी गिरोह का यह प्रचार भी अब पूरी तरह से झूठा साबित हो गया है कि पर्यटकों से उनका धर्म पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोलियां मारी गई है। साफ है कि इस घटना की आड़ में भाजपा और संघी गिरोह 'हिंदू-मुस्लिम' और 'भारत-पाकिस्तान' के नाम पर नफरत की राजनीति करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के खेल में लग गया है, ताकि बिहार और कुछ राज्यों के होने वाले चुनावों में फायदा उठा सकें। अब यह संभव है कि मुस्लिम विरोधी सांप्रदायिक भावना और पाकिस्तान विरोधी राष्ट्रवादी भावना उभारने के लिहाज से मोदी सरकार कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' भी कर दें। इस आतंकी हमले में केवल हिन्दू ही नहीं, एक मुस्लिम भी, जिनका नाम सैयद हुसैन शाह है, और कुछ विदेशी पर्यटक भी मारे गए हैं। हमले के बाद पीड़ितों की सेवा में कश्मीर का मुस्लिम समुदाय जिस एकजुटता के साथ सामने आया, वह अभूतपूर्व है। सोशल मीडिया में एक स्टोरी तैर रही है कि छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को किस तरह एक स्थानीय मुस्लिम कपड़ा व्यापारी नजाकत अली ने बचाया है। इस हमले में कर्नाटक से आए पर्यटक मंजूनाथ भी मारे गए हैं। हमले में जीवित बची उनकी पत्नी पल्लवी के इस वक्तव्य को भी नोट करने की जरूरत है "उस दहशत और लाचारी के पल में तीन कश्मीरी युवक आए और हमें बचाया। हमारी मदद करते हुए वे बिस्मिल्लाह, बिस्मिल्लाह कहते रहे। उन्होंने हमें सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। मैं आज उन्हीं की वजह से जिंदा हूं। वे अब अजनबी नहीं रहे वे मेरे भाई हैं। इस तरह की दसियों स्टोरी अभी और सामने आएंगी। यही हिंदू-मुस्लिम एकता की सिल्वर लाइन है, जो न आतंकियों की गोलियों से मिटने वाली है और न संघी गिरोह की नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक राजनीति से। कश्मीर की असली ताकत यही है। यह बात आईने की तरह साफ है कि इस हमले से कश्मीर के पर्यटन उद्योग का बहुत नुकसान होने जा रहा है। लेकिन इन हमलों के पीछे जो लोग हैं, वे कश्मीर के लोग तो नहीं ही हैं, क्योंकि कोई अपनी रोजी रोटी और आजीविका पर लात नहीं मारता। असली दुश्मन तो वे लोग हैं, जो विभाजन, हिंसा और नफ़रत की राजनीति से फ़ायदा उठाते हैं। इस कत्लेआम के विरोध में कश्मीर घाटी बंद रही। इस बंद के समर्थन में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और माकपा सहित घाटी की लगभग सभी राजनैतिक धाराएं साथ आई। कई सामाजिक-धार्मिक और व्यापारिक संगठनों और नागरिक समाज के विभिन्न तबकों ने इस आतंकी हमले की खुलकर खिलाफत की है और बंद का समर्थन किया है। घाटी में कई जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की है। आतंकी हमले का ऐसा एकजुट विरोध पिछले 35 साल में पहली बार देखने को मिल रहा है। घाटी में बंद की सफलता से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दरार डालने की आतंकी कोशिशें नाकाम साबित हुई है। यह कश्मीर के सुखद भविष्य का संकेत है। कश्मीर के मामले में संवेदनशील सैन्य सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से कई संघी गिरोह से ही जुड़े हुए हैं। अभी तक गिरफ्तार लोगों में न कोई मुस्लिम है, न ईसाई, और न ही कोई सिख या बौद्ध। मनोज मंडल (मध्यप्रदेश), ध्रुव सक्सेना (बिहार), राजीव शर्मा -- इनमें से ऐसे ही कुछ नाम हैं, जिनके भाजपा से संबंध जगजाहिर थे। मध्यप्रदेश में तो थोक के भाव में आरएसएस के 11 कार्यकर्ता, जिनमें एक भाजपा पार्षद भी शामिल था, जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हुए हैं। इसलिए यह बात जोरदार ढंग से कही जा सकती है कि भाजपा-संघ का राष्ट्रवाद छद्म-राष्ट्रवाद हैं, जो व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए आम जनता की देशभक्ति की भावना का शोषण करता है। संघी गिरोह को पहलगाम के आतंकी हमले में छुपे संकेतों को सही अर्थ ग्रहण करना चाहिए। कश्मीर की समस्या एक राजनीतिक समस्या है और इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक ही होगा। कश्मीर की समस्या का जितना संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से है, उतना ही संबंध भाजपा की नीतियों से भी है। इन नीतियों ने इस राज्य का विखंडन कर उसकी अस्मिता को रौंदने का काम किया है, इन नीतियों ने कश्मीर की कॉरपोरेट लूट के लिए दरवाजे खोले हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर की विशेष स्थिति को खत्म करने का मकसद भी यही था। भाजपा की नीतियों ने पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए जो मुस्लिम विरोधी भावनाएं पनपाई हैं, वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम करता है। इसलिए, यदि इस आतंकवाद का मुकाबला करना है, तो हिंदुत्व की राजनीति के साथ कॉरपोरेटों के गठजोड़ को शिकस्त देने के लिए आम जनता को लामबंद करना होगा। कश्मीर के संदर्भ में असली राजनैतिक चुनौती यही है।

(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध)

दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की हाईस्पीड सेवा की कछुआ चाल

शरद शर्मा

सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने की बात हो या फिर अत्यावश्यक सेवाओं की सुचारू उपलब्धता की। इंटरनेट अब जीवन का अहम अंग बन चुका है। डिजिटल भुगतान से लेकर ऑनलाइन शिक्षा तक इंटरनेट के कारण ही संभव हो पा रही है। देखा जाए तो आज इंटरनेट के बिना पूरी दुनिया में कामकाज की रफ्तार तेज होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। दूरदराज इलाकों में चिकित्सा व्यवस्था और सरकारी महकमों में जनता से जुड़े कामकाज भी काफी हद तक इंटरनेट सुविधा पर आश्रित हो गए हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दूरदराज के इलाकों में संचार क्रांति पहुंचाने के प्रयास पिछले वर्षों में खूब हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने ई-गवर्नेंस सेवा को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुदृढ करने के लिए सालभर पहले ही 'फाइबर टू द होम' के जरिए हाईस्पीड इंटरनेट सेवा पहुंचाने की कवायद भी शुरू की थी। इसका उद्देश्य दूर दराज के इलाकों तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ देना था। राजस्थान के चार हजार गांवों में आठ हजार सरकारी कार्यालय, स्कूल और डिस्पेंसरी को इस सेवा से जोडने का लक्ष्य रखा गया था। दूरसंचार विभाग की ओर से राज्य सरकार को करीब 120 करोड़ रुपए भी जारी कर दिए गए। राजस्थान के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग ने बीएसएनएल के माध्यम से काम कराने का निर्णय कर राशि जारी भी कर दी। लेकिन चिंता की बात यह है कि केंद्र सरकार की 'डिजिटल इंडिया' की मुहिम पर सरकारी लेटलतीफी हावी होती दिख रही है। करीब एक साल बीत जाने के बाद भी जिम्मेदारों में समन्वय के अभाव में हाईस्पीड इंटरनेट का काम अभी तो शुरू ही नहीं हो पाया है। एक तरफ इंटरनेट में एआइ तकनीक के उपयोग ने कामकाज और आसान किया है वहीं तमाम सुविधाओं के बाद भी सरकारी कार्यप्रणाली अपने पुराने ढर्रे पर ही चल रही है। इस लेटलतीफी के कारण सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां खराब मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण लोगों का आपस में बात करना तक मुश्किल हो रहा है, वहां हाईस्पीड इंटरनेट के जरिए तमाम सेवाओं को सुचारू कर आमजन को राहत मिलना फिलहाल दूर की कौड़ी बना हुआ है। ऐसे में ज्यादा परेशानी उनको हो रही है जिन्हें केंद्र व राज्य सरकार की पेंशन, राहत या अन्य योजनाओं का पैसा डिजिटली ट्रांसफर किया जा रहा है। राज्य सरकार को संबंधित एजेंसियों को पाबंद करना होगा कि वे काम की रफ्तार बढ़ाएं ताकि लोगों को राहत मिले अन्यथा लोग परेशान होते ही रहेंगे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

शिक्षा ही जीवन में आगे बढ़ने की महत्वपूर्ण कड़ी - उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सभी बच्चों को विद्यार्थी जीवन में मेहनत व लग्न के साथ शिक्षा जरूर प्राप्त करनी चाहिए, क्योंकि प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त करने के लिए शिक्षा ही एक महत्वपूर्ण कड़ी है। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे पढ़ाई के लिए अपने बच्चों को अधिकतम अवसर दें। बच्चों की अच्छी व उच्च शिक्षा के प्रति जब भी परिवार या अभिभावकों को कोई बड़ा निर्णय लेना पड़े तो उन्हें पीछे नहीं हटना चाहिए, बल्कि बच्चे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उनका सही मार्गदर्शन व सहयोग करना चाहिए। उपायुक्त शिक्षा विभाग की ओर शहीद हसन खां मेडिकल कालेज के सभागार में मिशन बुनियाद कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों व अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छा जीवन जीने के लिए हर व्यक्ति का पढ़ा-लिखा होना जरूरी है। पढ़ाई के बाद व्यक्ति जो भी कार्य करेगा, वह पूरी समझदारी व हुनर के साथ करेगा। पढ़ा-लिखा व्यक्ति भविष्य में अपने बच्चों के लिए उचित निर्णय लेगा और उन्हें भी पढ़ाई में आगे बढ़ाने का प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि मिशन बुनियाद के लेवल-3 के तहत आज जिला नूंह के 175 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है।

तावडू में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नपा सचिव को सौंपा ज्ञापन

तावडू। नगरपालिका कर्मचारी संघ इकाई प्रधान मामचंद लुहेरा ने कर्मचारियों की मांगों को लेकर एक ज्ञापन शहरी निकाय विभाग के नाम नगरपालिका सचिव को सौंपा। ज्ञापन में दर्शाया गया कि पालिकाओं, परिषदों, निगमों के कर्मचारियों की मांगों के समाधान हेतु 7 अगस्त 2024 को संघ व सरकार के मध्य वार्ता हुई। इस वार्ता में कर्मचारियों की कई अहम गांगों पर सहमति बनी थी। वार्ता के दौरान संघ की ओर से यह मांग रखी गई कि पालिकाओं के सफाई कर्मचारियों की हाजरी स्वच्छतम मित्र ऐप पर न लगाई जाये। क्योंकि यह ऐप वर्क आउटसोर्स व अन्य ठेकों की निगरानी करने के लिये बनाई गई है। वार्ता में संघ की इस मांग को सरकार ने जायज ठहराते हुए फैसला लिया कि इस ऐप के पत्र में सुधार करेंगे और स्वच्छतम मित्र ऐप पर सफाई कर्मचारियों की हाजरी नहीं लगाई जायेगी। सरकार ने इस वार्ता की मीटिंग कार्यवाही जारी करते हुये अन्य फैसलों के साथ इस फैसले को भी मीटिंग कार्यवाही में अंकित किया गया था। संघ को जानकारी मिली है कि 7 अगस्त 2024 की वार्ता में जिन मांगों पर सहमति बनी थी उन पर भी निकाय विभाग ने अनावश्यक रूप से आपत्तियां लगाकर उनके पत्र जारी नहीं किये हैं।निकाय विभाग के इस कृत्य से पालिकाओं, परिषदों, निगमों के

जिला नूंह को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है: विश्राम कुमार मीणा

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिला की सभी ग्राम पंचायतों का आह्वान किया और साथ ही स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों को निर्देश दिए कि आगामी एक साल में जिला नूंह को टीबी फ्री जिला बनाने की दिशा में पूरी लगन के साथ काम किया जाए। टीबी हारेगा और देश जीतेगा की तर्ज पर उन्होंने कहा कि इस मुहिम में हमने सबसे पहले जिला नूंह को टीबी मुक्त बनाकर जिताना है। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में वर्ष 2023-24 तथा वर्ष 2024 के दौरान जिला नूंह की उन ग्राम पंचायतों को ट्राफी व अवार्ड से सम्मानित कर रहे थे, जिसमें गत दो सालों के दौरान कोई भी टीबी का मरीज नहीं मिला है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित टीबी मुक्त ग्राम पंचायत सम्मान समारोह में स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर पंचायतों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सात पंचायतों को सिल्वर व 34 ग्राम पंचायतों को कांस्य ट्राफी से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायतें ठान लें और प्रयास करें कि उनके गांवों में जो भी टीबी का मरीज है, उसे डॉट कार्यक्रम से जोड़कर उसका इलाज शुरू करवाएंगे तो आगामी छह महीने में सभी ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हो सकती हैं। टीबी का इलाज बहुत सरल व सस्ता है। छह महीने तक दवाई खाने से यह बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है। टीबी को छुपाना नहीं चाहिए।

आतंकी घटना को लेकर अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

नारनौल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर जिला बार एसोसिएशन नारनौल के अधिवक्ताओं ने जिला उपायुक्त के मार्फत महामहिम राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री, गृहमंत्री भारत सरकार के नाम एक ज्ञापन सौंपा। सिटी मजिस्ट्रेट मंजीत कुमार को उपायुक्त नारनौल के नाम ज्ञापन देते हुए एडवोकेट हेमंत भारद्वाज, अश्वनी सिंह, खुशीराम यादव, सजीत यादव ने कहा कि भारत सरकार को आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर को आतंकवादियों से मुक्त करवाकर भारत में शामिल करवा लेना चाहिए और आतंकियों की सहायता करने वाले पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाना चाहिए। आतंकियों ने जिस प्रकार से धर्म पूछकर निहत्थे लोगों पर गोलियां चला कर उनकी निर्मम हत्या की है ये उनकी कायरता का सबूत है। अधिवक्ता हेमंत भारद्वाज ने कहा कि इस विकट परिस्थिति में पूरा देश एकजुट है और सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। हमले में मारे गए सभी 27 मृतकों और घायल लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं ।

हरियाणा में अब तक 55.89 लाख मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई - राजेश नागर

● मंत्री राजेश नागर ने अधिकारियों को अनाज के समय पर उठान और किसानों की पेमेंट को सुचारू रखने के दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने चंडीगढ़ में विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अनाज मंडियों से समय पर अनाज के उठान और किसानों को पेमेंट ट्रांसफर आदि की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि हरियाणा में एक अप्रैल से मंडियों में अनाज की खरीद शुरू हो चुकी है। जिसके अंतर्गत आज 22 अप्रैल तक प्रदेश की मंडियों में 55.89 लाख मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो चुकी है, जिसमें से करीब 26.36 लाख मीट्रिक टन गेंहू का उठान भी हो गया है। यह अनाज प्रदेश के करीब तीन लाख 43 हजार 630 किसानों से खरीदा गया है और उनके खातों में 5556.81 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर भी की जा चुकी है। नागर ने बताया कि व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले वर्ष 22 अप्रैल तक कुल 44.53 लाख मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई थी जबकि इस वर्ष यह करीब 11 लाख

मीट्रिक टन ज्यादा है। मंत्री राजेश नागर ने बताया कि प्रदेश में खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग, हेफेड, हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन और भारतीय खाद्य निगम मिलकर गेंहू की खरीद कर रहा है। जिनके बीच बेहतर तालमेल बनाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरसों की खरीद हेफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन कर रहा है जिसके अंतर्गत 22 अप्रैल तक 6.23 लाख मीट्रिक टन सरसों की खरीद की जा चुकी है और इसमें से करीब 4.47 लाख मीट्रिक टन सरसों का उठान भी कर लिया गया है। मंत्री राजेश नागर ने बताया कि 2459.04 करोड़ रुपये भी सरसों किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दिए गए हैं। मंत्री राजेश नागर ने बताया कि आज की बैठक में अधिकारियों को किसानों के अनाज की खरीद और समय पर उसके उठान एवं पेमेंट को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

अभी तक की व्यवस्था ठीक चल रही है और हम पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रदेश की नायब सैनी सरकार किसानों की हितैषी सरकार है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 140 करोड़ लोगों के विश्वास में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभा रही है।

प्रदेश में जल्द ही 777 नए चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी : आरती सिंह राव

● स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने यमुनानगर के नागरिक अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने यमुनानगर के नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल सर्जन से अस्पताल में मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं, दवाइयों की उपलब्धता, वहां मौजूद स्टाफ, उपलब्ध उपकरणों व अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से भी बात की और उनसे वहां दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बाद में उन्होंने बताया कि यहां आने वाले मरीज अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं से संतुष्ट हैं और उन्हें उचित उपचार, दवाइयां, टेस्ट व अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने ट्रॉमा सेंटर, स्त्री रोग विभाग, शिशु रोग विभाग, डिलीवरी रूम, महिला सर्जिकल वार्ड, आईसीयू, प्राइवेट वार्ड, ब्लड बैंक, स्पेशल न्यूबॉर्न

केयर यूनिट, एएनएल रूम, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम तथा पंचकर्म चिकित्सा प्रणाली सहित लगभग सभी विभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के सभी विभागों के उपस्थिति रजिस्टर भी चेक किए तथा उपस्थित चिकित्सकों व स्टाफ के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश में 561 चिकित्सकों की भर्ती की गई है, जिसमें से यमुनानगर में 12 चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द ही 777 नए चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस तरह के औचक निरीक्षण करने का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर पहुंचकर यह पता लगाना है कि कहीं कोई कमी या आवश्यकता है या नहीं, ताकि उस पर समुचित तरीके से काम किया जा सके। शौचालयों की सफाई के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस ओर ध्यान दिए जाने की जरूरत है तथा इस बारे में रिपोर्ट मांगी गई है। अस्पताल भवन की टाइलें गिरने के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता से फोन पर बात की तथा तुरंत मरम्मत करवाने तथा ट्रॉमा सेंटर का काम भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्द ही और सुरक्षा गार्ड रखे जाएंगे।

गडरिया एवं बघेल समुदाय के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से की मुलाकात

एजेंसी

अम्बाला। गडरिया एवं बघेल समुदाय का एक प्रतिनिधि मंडल ने बीते कल प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में उनके निवास स्थान पर मिलकर पुण्यश्लोका लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वी जयंती 31 मई को कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर मनाने बारे आग्रह किया। प्रतिनिधि मंडल के इस आग्रह को मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार करते हुए बतौर

मुख्य अतिथि शिरकत करने की स्वीकृति प्रदान की। जिससे पूरे प्रदेश के पाल गडरिया एवं बघेल समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह जानकारी प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा एवं पूर्व सदस्य पिछडा वर्ग आयोग रमेश पाल नोहनी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि समाज ने जोर-जोर से इस आयोजन की तैयारी करनी शुरू कर दी है। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की गौरवशाली यात्रा पूरे देश में उत्सव की तरह मनाई जा रही है। मातेश्वरी अहिल्याबाई ने जिस प्रकार महिलाओं , शोषित - पीड़ित के लिये काम किया वह अनुसरण करने योग्य है। वो एक कुशल प्रशासक के साथ साथ युद्ध के मैदान में निपुण योद्धा थी।

पर्यटकों पर हमला बहुत दुखदाई घटना है: मंत्री अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर बड़े आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कि यह बहुत दुखदाई घटना है और मैं यह बताना चाहता हूं कि यह नरेंद्र मोदी का भारत है, कहां होगा, कब होगा, कैसे होगा यह तो मैं नहीं जानता लेकिन एक बात जानता हूं कि इनको ऐसा करारा जवाब दिया जाएगा कि इस प्रकार का कभी यह दोबारा दुशास नहीं कर सकेंगे और न ही इनको भेजने वाले यह सोच सकेंगे।

आतंकियों को तैयार कर लाया जाता है और वह घटनाएं करवाई जाती हैं जिनका असर सबसे ज्यादा हो लेकिन इसका जवाब दिया जाएगा : कैबिनेट मंत्री अनिल विज

घटना में हरियाणा के एक नेवी लेफ्टिनेंट भी अपनी जान गवा चुका है और आतंकियों ने नाम पूछ-पूछ कर यह हत्या की जिसपर कैबिनेट

मंत्री अनिल विज ने कहा कि इस तरह की घटना करने के लिए इन्हें पूरी तरह से तैयार करके लाया जाता है और इनसे वह घटनाएं करवाई जाती हैं जिनका असर सबसे ज्यादा हो लेकिन इनका जवाब दिया जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर एक बयान दिया जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार खोखले दावे करने की बजाय है इनपर कार्रवाई करें जिसपर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि राहुल गांधी देश की परंपराओं से वाकिफ नहीं है, जब इस प्रकार की कोई घटना होती है या बाहरी हमला होता है तो सभी राजनेताओं को मतभेद भुलाकर एक साथ सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए न कि इस प्रकार के बयान देने चाहिए। मंत्री अनिल विज ने कहा कि हम लड़ेंगे और सब मिलकर लड़ेंगे तभी इनसे छुटकारा मिलेगा।

बाल यौन शोषण और पॉक्सो एक्ट पर जिला स्तरीय जागरूकता रैली व कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल यौन शोषण एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम और पैदल मार्च का आयोजन किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम और पैदल मार्च हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग महेंद्रगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। पैदल मार्च में स्कूल विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग पंचकूला से सुमन राणा व नगराधीश मनजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सुमन राणा ने अपने संबोधन में बच्चों को बाल यौन शोषण के विरुद्ध जागरूक रहने, गुड टच-बैड टच, अपने अधिकारों की जानकारी रखने और पॉक्सो एक्ट की उपयोगिता को समझने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों को बैड टच के

बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अगर कोई गलत स्पर्श करता है तो अपने अभिभावक या अध्यापकों को अवश्य बताएं। सुमन राणा ने बताया कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशानुसार प्रदेश भर में बाल यौन शोषण व पॉक्सो एक्ट को लेकर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जो सरकार की बच्चों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में नगराधीश मंजीत सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल यौन शोषण के विरुद्ध जन जागरूकता बढ़ाना और बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में सार्थक पहल करना है। कार्यक्रम के अंत में राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक पैदल मार्च रैली निकाली जिसमें बच्चों ने नारे और पोस्टरों के माध्यम से समाज को पॉक्सो एक्ट के बारे में जागरूक किया। इस रैली को सीटीएम मंजीत सिंह और सुमन राणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

700 से कम लिंगानुपात वाले गांवों में 25 अप्रैल को शिविर आयोजित किए जाएंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की बैठक हुई, जिसमें पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। इस अवसर पर राज्य में लिंगानुपात में सुधार के लिए भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों की भी समीक्षा की गई।बैठक में महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. कुलदीप सिंह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीएचएस) एवं एसटीएफ के संयोजक डॉ. वीरेंद्र यादव, डीएचएस, पीएनडीटी डॉ. सिम्मी वर्मा, सिविल सर्जन, पंचकूला, पुलिस विभाग, अभियोजन विभाग, महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के प्रतिनिधि, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एवं पीएनडीटी) अधिनियम, मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) तथा सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) सेल के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि गांव-वार लिंगानुपात (2019 से मार्च 2025 तक) संकलित किया गया है और कम लिंगानुपात वाले गांवों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एसटीएफ के संयोजक डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि ÷नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) पोर्टल के अनुसार 22 अप्रैल, 2025 तक राज्य का लिंगानुपात 911 है।

उन्होंने बताया कि पीसी एवं पीएनडीटी अधिनियम, एमटीपी अधिनियम का उल्लंघन करने वाले जिला सोनीपत के एक बीएएमएस डॉक्टर का लाइसेंस हरियाणा चिकित्सा परिषद द्वारा रद्द कर दिया गया है। पिछले एक महीने में राज्य में कुल 1500 एमटीपी केंद्रों में से 379 एमटीपी केंद्र बंद कर दिए गए हैं और 16 एमटीपी केंद्रों का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है। हरियाणा में एमटीपी किट की बिक्री में गिरावट आई है। डॉ. वीरेंद्र यादव ने यह भी बताया कि सोनीपत जिले के औषधि नियंत्रण अधिकारी (डीसीओ) को असत्यापित/अधूरी रिपोर्ट देने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रीइम्प्लांटेशन जेनेटिक टेस्टिंग (पीआईजीटी) परीक्षण केवल सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद ही किया जाएगा और प्रत्येक इन विट्रो फर्टिलाइजेश (आईवीएफ) हस्तक्षेप के परिणाम को मासिक आधार पर संबंधित सिविल सर्जन के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि राज्य मुख्यालय पर तैनात राज्य औषधि नियंत्रक कार्यालय के सभी अधिकारियों को जिले आवंटित कर दिए गए हैं और वे एमटीपी किट की अनधिकृत/अवैध बिक्री को रोकने के लिए क्षेत्र का दौरा करेंगे। एमटीपी किट की बिक्री की डीसीओ द्वारा क्रॉस चेकिंग की जाएगी। सभी सिविल सर्जन अपने जिलों में एमटीपी किट की बिक्री की निगरानी करेंगे।

जनता के प्रति हमारी जवाबदेही, समस्याओं का स्वतः संज्ञान ले करें समाधान : नायब सैनी

● जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित, 19 में से 18 मामलों का हुआ समाधान
● मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश, जनता की बातों को ध्यान से सुनकर उनका अवश्य करें समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम सबकी जनता के प्रति जवाबदेही है। उनकी बात सुनना और काम करना हमारी जिम्मेवारी है। जनमानस की समस्याओं पर स्वत- संज्ञान लिया जाए तो उनका समाधान भी शीघ्रता से होगा। उन्होंने गुरुग्राम के स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने मुख्यमंत्री का गुरुग्राम आगमन पर स्वागत किया। बैठक में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर और गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे। नायब सिंह सैनी ने बैठक से पहले दो मिनट का मौन धारण कर जम्मू कश्मीर में एक दिन पहले हुई आतंकी घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। जिला लोक

संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 19 परिवाद रखे गए, मुख्यमंत्री ने 18 परिवादों का निपटारा करते हुए एक मामले को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए और संबंधित अधिकारियों से आगामी बैठक में स्टेट्स रिपोर्ट लेकर आने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। शहर में स्वच्छता की तरफ़ विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि गुरुग्राम को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने बैठक में सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली ग्राउंड में सी एंड वेस्ट के उठान से संबंधित व डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के संदर्भ में निगमायुक्त को एचकेआरएनएल से अतिरिक मैनपॉवर भर्ती करने के निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम को एक सुंदर व स्वच्छ तथा सुव्यवस्थित शहर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में संसाधनों की कमी नही रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में गांव बेगमपुर खटोला से संबंधित सीवर ओवरफ्लो की शिकायत पर शिकायत के निवारण तथा सीवर ओवरफ्लो के लिए दोषी औधोगिक इकाइयों पर कार्रवाई ना करने पर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता की समस्याओं के निवारण की अपनी कार्यशैली में बदलाव करें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहे। उन्होंने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस कार्य को 3 सप्ताह में पूरा कर संबंधित क्षेत्र की अपडेटेड फ़ोटो उनके कार्यालय भिजवाना सुनिश्चित करें।

सीवर लाईन की रिपेयरिंग के लिए शुरु किए गए कार्य के चलते करीब एक माह तक वाहन चालक अपनाएं वैकल्पिक मार्ग : दलीप साहनी

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम के वर्तमान वरिष्ठ पार्षद दलीप साहनी ने बताया कि पिछले करीब 6 वर्षों से नई बस्ती आदि क्षेत्रों के आस-पास सीवर का पानी बहने के कारण लोगों को समस्या आ रही थी। जिसके लिए उन्होंने नगर निगम के कमिश्नर अशोक गर्ग से आग्रह कर उस काम को शुरु करा दिया गया है, जिसके लिए करीब एक माह तक सोहना चौक लाल बत्ती हरीश बेकरी से कबीर भवन चौक, रेलवे रोड आदि जाने वाले मार्ग को पुलिस से अनुमति लेकर बंद करा दिया गया है। उन्होंने वाहन चालकों से आग्रह करते हुए कहा कि गहरे सीवर लाईन का कार्य होने के कारण अन्य वैकल्पिक रास्तों को असुविधा से बचने के लिए अपनाएं।

किसके इशारे पर सर्वोच्च न्यायालय पर टिप्पणी कर रहे है भाजपा सांसद : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय पर टिप्पणी कर भाजपा देश की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रही है, भाजपा को बताना होगा कि उनके नेता किसके इशारे पर सर्वोच्च न्यायालय पर टिप्पणी कर रहे है। पर भाजपा न्यायपालिका पर अस्वीकार्य टिप्पणियों पर पूरी तरह से चुप हैं। संविधान पर बार-बार हो रहे हमलों को लेकर पीएम भी मौन है। उधर भाजपा ने अपने सांसदों द्वारा सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई पर किए गए हमलों से खुद को अलग तो कर लिया, अगर ये सांसदों के अपने विचार है तो पार्टी ने दोनों सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी क्यों नहीं किया। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा ने तो सर्वोच्च न्यायालय को भी नहीं बक्शा उस पर भी उंगली उठाई जा रही है, भाजपा संवैधानिक संस्थाओं पर भी भरोसा नहीं कर रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि 11 साल से भाजपा सत्ता में है, उसके नेताओं को जवाब देना चाहिए कि वे किसके इशारे पर सर्वोच्च न्यायालय और कांग्रेस पर उंगली उठा रहे हैं। अगर भारतीय संविधान पर लगातार हो रहे हमलों पर प्रधानमंत्री की लगातार चुप्पी इन हमलों का मौन समर्थन तो नहीं है। भाजपा ने अपने सांसदों द्वारा सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई पर किए गए हमलों से खुद को अलग कर लिया, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह कहना कि कि ये टिप्पणियां उनके निजी विचार हैं। कुमारी सैलजा ने भाजपा अध्यक्ष से पूछा है कि दोनों सांसदों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई और उन्हें कारण बताओ नोटिस क्यों नहीं जारी किया गया। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की अनाजमंडिया गेहूं से अटी पड़ी है,

सराय काले खां स्टेशन पर पूरा हुआ एफओबी का सिविल निर्माण कार्य, बैरिकेडिंग हटी

एजेंसी

गाजियाबाद। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन को भारतीय रेलवे के हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। 280 मीटर लंबे इस फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर एनसीआरटीसी ने छह ट्रैवेलेटर लगाए गए हैं, जिनके इंस्टॉलेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यह एफओबी इन दोनों परिवहन साधनों के बीच यात्रियों की सुगम और सहज आवाजाही को सक्षम बनाएगा। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस एफओबी के निर्माण के पूरा होने के साथ ही एनसीआरटीसी ने रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क से बैरिकेडिंग हटाकर पूरी सड़क को जनता के लिए खोल दिया गया है। इसके अलावा, लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एनसीआरटीसी ने इस सड़क पर तारकोल का ब्लैक टॉप लगाकर सड़क को अपग्रेड भी किया है। सराय काले खां का यह इलाका बेहद भीड़भाड़ वाला है और इस सड़क पर यातायात का आवागमन बहुत ज़्यादा रहता है। एनसीआरटीसी की इस पहल से इस सड़क की लाइफ साइकिल बढ़ जाएगी। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच की दूरी करीब 300 मीटर है। इस दूरी को देखते हुए पैदल यात्रियों के लिए एक फुट ओवरब्रिज की आवश्यकता महसूस की गई ताकि यात्री इन दोनों परिवहन साधनों के बीच सुगमता से यात्रा कर सकें।

एनसीएएचपी के सहयोग से दस संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों के लिए नया योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसाय आयोग (एनसीएएचपी) के सहयोग से दस संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायों के लिए योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। निर्माण भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने इन पाठ्यक्रमों को जारी किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव हेकाली झिमोमी और एनसीएएचपी की अध्यक्ष डॉ. यज्ञ शुक्ला भी उपस्थित थीं। इन पाठ्यक्रमों में फिजियोथेरेपी, एप्लाइड साइकोलॉजी और व्यावहारिक स्वास्थ्य, ऑप्टोमेट्री, पोषण और आहार विज्ञान, डायलिसिस थेरेपी तकनीक और डायलिसिस थेरेपी, रेडियोथेरेपी तकनीक, मेडिकल रेडियोलॉजी और इमेजिंग तकनीक, एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थियेटर तकनीक, स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन और फिजिशियन एसोसिएट्स सहित व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हैं। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य देश भर में संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की शिक्षा और प्रशिक्षण में एकरूपता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि पाठ्यक्रम का व्यापक संशोधन और मानकीकरण शैक्षिक सामग्री और वितरण में स्थिरता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को सुप्रीम कोर्ट ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दो मिनट का मौन रखा गया। ठीक दो बजे सुप्रीम कोर्ट में सायरन बजा और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के लॉन में वकीलों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। चीफ जस्टिस के कोर्ट रूम नंबर एक में भी आज चीफ जस्टिस और कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों ने खड़े होकर मौन श्रद्धांजलि दी। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में आतंकी हमले में पर्यटकों समेत 28 लोगों की मौत हो गयी।

भारत ने पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक एक्स अकाउंट किया ब्लॉक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स हैंडल को ब्लॉक कर दिया है। इस हमले में 27 लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। भारत ने इस हमले को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। इस हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट द्वारा अंजाम दिए जाने की आशंका है, जिसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाइयों की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले को ÷निर्दोष नागरिकों पर कायराना कृत्य करार देते हुए सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों को लक्षित करने वाली कई कार्रवाइयों की घोषणा की। भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति (पर्सोना नॉन ग्राटा) घोषित कर दिया है। इन अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। साथ ही, भारत ने इस्लामाबाद में अपने उच्चायोग से रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

पहलगाम हमलाः पाकिस्तान से रिश्ते लगभग समाप्त, सिंधु जल समझौता निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया है। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, पाकिस्तान के नागरिकों के लिए सार्क वीजा जारी करने पर रोक लगाने और अटारी-वाघा सीमा को बंद करने का निर्णय लिया है। साथ ही पाकिस्तान के उच्चायोग को सीमित करने का भी निर्णय लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हमले में 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की आज शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश सचिव ने

कहा कि इस हमले के बाद, विश्वभर से कई सरकारों ने भारत के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त की है, जो आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की भावना दर्शाती है। बैठक में इस आतंकी हमले के पाकिस्तानी संबंधों की जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता में सीसीएस के निर्णयों की जानकारी दी। इसके अनुसार, सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा, जब तक पाकिस्तान क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का समर्थन छोड़ने की विश्वसनीय और स्थायी प्रतिबद्धता नहीं करता। अटारी चेक पोस्ट को तुरंत बंद किया जाएगा, जो लोग वैध अनुमोदनों के साथ पार कर चुके हैं, उन्हें 01 मई 2025 से पहले लौटने का अवसर दिया जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले जारी किए गए वीजा रद्द कर दिए गए हैं और वर्तमान में भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ना होगा। पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। भारत भी इस्लामाबाद में अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। इसके अलावा, उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 01 मई 2025 तक प्रभावी होगा। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। भारत आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को जारी रखेगा।

पहलगाम में आतंकी घटना की मुस्लिम संगठनों ने की कठोर शब्दों में निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार की चौतरफा निंदा की जा रही है। देश के बड़े मुस्लिम संगठनों ने भी इस जघन्य अपराध की निंदा करते हुए इस घटना में शामिल आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। इसके साथ ही इन संगठनों ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ गहरी संवेदना व्यक्त की है और देश मे शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बयान जारी कर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की बोर्ड कड़ी निंदा करता है और इस दुःखद घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और मांग की है कि भारत सरकार जल्द से जल्द इस घटना की जांच कराए और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। मौलाना ने दुर्घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी हार्दिक सहानुभूति आपके साथ है। इसके साथ ही मौलाना ने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की मजबूत मौजूदगी और सीमाओं पर सेना की तैनाती और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान देगी ताकि स्थानीय लोगों और पर्यटकों की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जा सके। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हम इस दुखद घटना में मारे गए।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर एनसीपीयूएल के तत्वावधान में पुस्तक सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। पुस्तकों का कॉपीराइट से बहुत गहरा संबंध है। शायद यही कारण है कि दोनों का विश्व दिवस हर वर्ष एक ही दिन अर्थात 23 अप्रैल को संयुक्त रूप से मनाया जाता है। ऐसे में राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) के तत्वावधान में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक दिवसीय पुस्तक सम्मेलन काफी सफल और समग्र कहा जा सकता है, जिसमें कॉपीराइट की चुनौतियों से लेकर नई पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसके साथ ही कई पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। पुस्तक सम्मेलन के अंतर्गत तीन सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र का शीर्षक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट की चुनौतिया' था जिसकी अध्यक्षता जामिया हमदर्द के कुलपति प्रो. मोहम्मद अफशार आलम ने की। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. शम्स इकबाल ने परिचयात्मक एवं स्वागत भाषण देते हुए कहा कि एक पुस्तक पाठक, लेखक और प्रकाशक की त्रिमूर्ति से बनती है।

किसी पुस्तक से बौद्धिक विमर्श स्थापित किया जा सकता है। केवल पुस्तकों के माध्यम से ही हम सभ्य समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि लेखन और सृजन का उदाहरण बच्चे का है, जो उसके लेखक की संपत्ति है। किसी की पुस्तक या रचना को अपने नाम से कृत्रिम बुद्धि (एआई) या किसी अन्य माध्यम से प्रकाशित करना किसी के बच्चे का अपहरण करने जैसा है। प्रो. मोहम्मद अफशार आलम ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि कॉपीराइट आज के युग का एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है और सरकार के साथ-साथ कई शैक्षणिक संस्थान भी इसके प्रति संवेदनशील हो गए हैं और इस संबंध में कदम भी उठा रहे हैं। राष्ट्रीय उर्दू परिषद का यह कार्यक्रम इस संबंध में एक यादगार कदम है। वाणी प्रकाश ग्रुप, नई दिल्ली की सीईओ सुश्री अदिति माहेश्वरी ने कहा कि एआई के युग में कॉपीराइट के मुद्दे बहुत बढ़ गए हैं। वर्तमान युग में, जब एआई अपने चरम पर है, एक नए संशोधित कॉपीराइट कानून की आवश्यकता है। अपने भाषण में प्रख्यात बौद्धिक संपदा अधिकारों की वकील डाहलिया सेन ओबेरॉय ने कॉपीराइट के विभिन्न पहलुओं तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में इसकी चुनौतियों पर सुसंगत एवं विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि कॉपीराइट का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी एवं न्यायिक कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि कॉपीराइट का उल्लंघन वास्तव में किसी की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है तथा किसी दूसरे की संपत्ति हड़पने जैसा है। सत्र का संचालन डॉ. शादाब शमीम ने किया। दूसरे सत्र में 'प्रेमचंद= मोतालए की नई जेहतें' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

दिल्ली में एक नवंबर से नहीं प्रवेश कर सकेंगे बीएस छह से कम मानक वाले वाणिज्यिक वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एक नवंबर से बीएस छह से कम मानक वाले ट्रकों एवं वाणिज्यिक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक और डीजल की सिर्फ बीएस-6 बसें, ट्रकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-VI, सीएनजी, एलएनजी और आईएलवी के अलावा सभी परिवहन, वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवाई, एमजीवी और एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पंजीकृत बीएस 6 मानक से कम वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। इस निर्देश को दिल्ली से सटे सभी राज्यों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है। सीएक्यूएम द्वारा दिल्ली से सट सभी राज्यों को जारी अपने निर्देश में कहा कि एक जुलाई 2025 से 10 साल से ऊपर वाली डीजल गाड़ियां और 15 साल से ऊपर वाली गाड़ियों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित एएनपीआर

कैमरों या अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से ऐसी गाड़ियों की पहचान की जाएगी और ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा। आयोग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि दिल्ली में ट्रकों के 126 सीमा प्रवेश बिंदुओं पर सख्ती से इस नियम को लागू किया जाएगा। इसके अलावा, एनसीआर में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर स्थित एनएचएआई के 52 टोल प्लाजा को वाहन डेटाबेस से जुड़े एएनपीआर कैमरे प्रदान किए गए हैं, जो विभिन्न मापदंडों के संबंध में वाहनों की पहचान करने में मदद करेंगे। बीओएल वाहनों की पहचान ' वैध पंजीकरण, फिटनेस, पीयूसी, परमिट और बीमा से किया जाएगा। यह निर्देश सर्दियों में दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआईआईएपी) के तहत निर्देशों की समय समय पर समीक्षा भी की जाती है।

केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड की 38वीं बैठक संपन्न, ऐतिहासिक धरोहर स्थलों पर पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने पर दिया गया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मंडपम में केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड (सीएबीए) की 38वीं बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में भारत के समृद्ध पुरातात्विक विरासत स्थलों की सुरक्षा और संवर्धन की दिशा में सामूहिक प्रयास और पर्यटकों के अनुभवों को बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' के आदर्श वाक्य को दोहराते हुए कहा कि विरासत स्थलों पर आगंतुकों और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने

देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। हाल ही में उत्खनन और अन्वेषण कार्यों की बढ़ती संख्या की सराहना करते हुए मंत्री ने उत्खनन और अन्वेषण परियोजनाओं को अधिक व्यापक, समावेशी और दूरगामी बनाने पर बल दिया। इसके अलावा, उन्होंने एएसआई के अंडरवाटर पुरातत्व विंग (यूएडब्ल्यू) के पुनरुद्धार की रूपरेखा तैयार की, जिसके तहत द्वारका के पानी में अन्वेषण चल रहा है। उन्होंने भारत में पुरावशेषों की सफल वापसी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश की सांस्कृतिक पहचान को बहाल करने में एक बड़ी उपलब्धि है और वैश्विक सांस्कृतिक विरासत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने पुरातत्व और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में हितधारकों के बीच नियमित संवाद और सहयोगी योजना सुनिश्चित करने के लिए सीएबीए की लगातार वार्षिक बैठकों की आवश्यकता पर भी जोर दियाइस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने भारत की विविध विरासत और स्मारकों के संरक्षण में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दो दिवसीय असम दौरा स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रस्तावित दो दिवसीय असम दौरा स्थगित हो गया है। यह जानकारी राज्यपाल सचिवालय ने दी है। राष्ट्रपति को 24 अप्रैल से असम के दौरे पर आना था। उन्हें शुक्रवार को यहां गुवाहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में शामिल होना था। राष्ट्रपति का कार्यक्रम स्थगित होने के बावजूद दीक्षांत समारोह समय पर आयोजित किया जाएगा। बुधवार को राज्यपाल सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति भवन से एक संदेश मिला है, जिसमें कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में हुए हमले के कारण राष्ट्रपति का दौरा स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति को 24 अप्रैल की शाम दो सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गुवाहाटी आना था। शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रसिद्ध नृत्यांगना सोनल मानसिंह को श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार सौंपने का कार्यक्रम था। इसके अलावा उसी दिन शुक्रवार शाम को गुवाहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्र हित में एक देश एक चुनावः शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास की क्रमिक निरंतरता सुनिश्चित करने, चुनावी व्यय को घटाने और देश के संसाधनों का राष्ट्रहित में उपयोग बढ़ाने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। शिवराज सिंह छात्र नेताओं द्वारा आरंभ किए गए एक नवीन मंच स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन के तत्वावधान में डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय छात्र नेता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश के 31 राज्यों के छात्र नेता दिल्ली में एकत्र हुए हैं और सभी ने संकल्प लिया है कि बार-बार चुनाव होने से देश का विकास बाधित होता है, प्रगति बाधित होती है और जनकल्याण के कार्य प्रभावित होते हैं। इससे देश के धन और संसाधनों का दुरुपयोग होता है। इसलिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव हर पांच साल में एक बार एक साथ होने चाहिए ताकि पांच साल के लिए चुनी गई सरकारें देश और राज्यों की प्रगति और विकास के लिए एकजुट होकर काम कर सकें। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

पांचों साल, 12 महीने चलने वाले चुनाव हमारे देश की प्रगति और विकास में बाधा हैं। पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव खत्म नहीं हुए कि उसके चार माह बाद देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए। लोकसभा चुनाव खत्म हुए नहीं कि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव शुरू हो गए। ये चुनाव हुए नहीं कि दिल्ली का दंगल शुरू हो गया और अब सभी राजनैतिक दल व नेता बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इन बार-बार होने वाले चुनावों में बड़ी मात्रा में धन खर्च होता है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित युवाओं से 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के समर्थन में आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

मेयर ने दक्षिणी महरौली में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर महेश कुमार खीची ने दक्षिणी महरौली विधानसभा में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इसका हर वर्ग को लाभ मिलेगा।महेश कुमार खीची ने क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि महरौली की जनता को अच्छी सुविधा देने के लिए पॉलीक्लिनिक का शुभारंभ किया गया है। इससे जनता को फायदा होगा। जनता इसमें कम खर्च में सारी सुविधा का लाभ उठा सकती है। खीची ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि देश के लोगों तक बाबा साहेब के विचार पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक के खुलने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनको यहां कम दाम में अच्छा इलाज मिल सकेगा। खीची ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए आआपा के पार्षदों को तोड़ने का काम कर रही है। इस अवसर पर महरौली के चेयरमैन किशन जागड़, निगम पार्षद रेखा महेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली महापौर और उप महापौर पद के उम्मीदवारों के नामांकन प्रक्रिया का आखिरी दिन था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है।

विदेश मंत्रालय ने आधीरात पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद को तलब किया, 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा के बादआधीरात विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद अहमद वार्राइच को तलब किया। भारत सरकार ने साद को औपचारिक 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा है। पर्सोना नॉन ग्राटा का सीधा मतलब यह होता है कि किसी राजनयिक या विदेशी व्यक्ति को किसी विशेष देश में प्रवेश या रहने से मना करना। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य राजनयिकों के लिए ये नोट थमाया है। इसके बाद उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ना होगा। पहलगाम हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की मौत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की आपात बैठक हुई। यह करीब दो घंटे तक चली। इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेशमंत्री एस. जयशंकर समेत अन्य वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे। इस बैठक में आतंकवादी हमले को गंभीरता से लेते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बैठक में लिए गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीसीएस ने फैसला किया है कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात डिफेंस, नेवल और एयर एडवाइजर्स को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भारत अपने सैन्य सलाहकारों को भी वापस बुलाएगा। सरकार ने अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को भी तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। जो लोग वैध दस्तावेजों के साथ पहले ही इस मार्ग से भारत में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें पहली मई 2025 तक उसी मार्ग से लौटने की अनुमति दी गई है। भारत ने पाकिस्तान के साथ की गई सिंधु जल संधि को भी तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से निलंबित

करने का निर्णय लिया है। भारत ने यह भी घोषणा की कि पाकिस्तान के नागरिकों को अब सार्क वीजा एक्सेम्प्शन स्कीम (एसवीईएस) के तहत भारत यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। पहले से जारी सभी ऐसे वीजा अब अमान्य माने जाएंगे और इस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर रॉबर्ट वाड्रा के बयान को भाजपा ने बताया शर्मनाक

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा के बयान पर सियासी घमासान मच गया है। रॉबर्ट वाड्रा ने घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। भाजपा ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स प्लेटफार्म पर कहा कि अगर कोई इस तरह के इस्लामिक जिहादी हमले को निराधार तर्कों के साथ उचित ठहराने की कोशिश करता है और दावा करता है कि यह किसी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है तो यह शर्मनाक है। इस तरह से कट्टरपंथी जिहाद और आतंकवाद को बचाने की कोशिश

करने से बड़ा दुर्भाग्य कुछ और नहीं हो सकता। ऐसे समय में जब इस तरह के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और एक स्वर में उनकी पहचान की जानी चाहिए, यह निराशाजनक है कि कुछ लोग अभी भी अतार्किक बातों के साथ पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामिक जिहाद का बचाव कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, कांग्रेस पार्टी और रॉबर्ट वाड्रा इस कहानी में सबसे आगे दिखाई देते हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सोनिया गांधी, राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस पार्टी, रॉबर्ट वाड्रा द्वारा किया गया सबसे शर्मनाक, नृशंस बयान है, जो एक तरह से पाकिस्तानी आतंकवादियों का बचाव करने के लिए है। यह बयान इस्लामिक जिहाद के इस अपराध को छिपाने के लिए, उन्हें क्लीन चिट देने और हिंदुओं को दोषी ठहराने के लिए है। पुलवामा हमले के बाद, उन्होंने सुरक्षा बलों को दोषी ठहराया।

अब 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामान पर एक फीसदी लगेगा टीसीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और खेलकूद के कपड़े जैसे 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामानों पर अब एक फीसदी स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल से विलासितापूर्ण वस्तुओं की बिक्री पर 1 फीसदी की दर से टीसीएस लगाने से जुड़ी अधिसूचना जारी की है। आयकर विभाग के मुताबिक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें उन विलासिता वस्तुओं की सूची निर्दिष्ट की गई है, जिन पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगाया जाएगा। विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 को जारी अधिसूचना में कहा है कि नए नियम प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे। इसलिए, 22 अप्रैल, 2025 से उल्लिखित विलासिता वस्तुओं से कर वसूला जाएगा।सीबीडीटी ने इस संबंध में दो अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना लग्जरी वस्तुओं की प्रकृति से संबंधित है, जबकि दूसरी अधिसूचना टैक्स की दर और खरीद की सीमा से संबंधित है, जिसके ऊपर कर लगाया जाएगा। आयकर विभाग के मुताबिक यह अधिसूचना कर आधार का विस्तार करने तथा अधिक वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत उद्देश्य को दर्शाती है। विभाग के मुताबिक 22 अप्रैल से 10 लाख रुपये से अधिक की विशिष्ट लक्जरी वस्तुओं की बिक्री पर एक फीसदी की दर से टीसीएस की प्रयोज्यता को अधिसूचित किया गया है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 0.40 फीसदी घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया। विश्व बैंक ने पिछले पूर्वानुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। विश्व बैंक ने ने अपने द्विवार्षिक क्षेत्रीय दृष्टिकोण में कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही, क्योंकि निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई तथा सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके। विश्व बैंक के मुताबिक वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता के बीच देश के सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) को घटाने का यह फैसला लिया गया है। टैक्सिंग टाइम्स के दक्षिण एशिया वृद्धि दर अपडेट में कहा गया है, भारत में विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 के 6.50 फीसदी से घटकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी रहने की उम्मीद है। ऐसा मौद्रिक सहजता और विनियामक सरलीकरण से निजी निवेश को होने वाले लाभ के वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता से प्रभावित की आशंका के कारण किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक दिन पहले मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से घटाकर 6.2 फीसदी कर दिया था। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है।

डीएस ग्रुप का अगले पांच साल में 20 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10 हजार करोड़ रुपए का के राजस्व हासिल करते हुए अगले चार से पांच वर्षों में इसको दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 10 हजार करोड़ रुपए के राजस्व के साथ ही यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42 प्रतिशत है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 3 प्रतिशत और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10 प्रतिशत से भी कम है। पिछले तीन वर्षों में डीएस ग्रुप ने 16प्रतिशत की वार्षिक दर से सतत विकास किया है। डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने यह घोषणा करते हुए कहा, 10,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करना सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत के विकास में हमारी अहम भूमिका का प्रतीक है। विविध उत्पाद पोर्टफोलियो, गुणवत्ता व नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और देश के सबसे बड़े वितरण नेटवर्क में से एक ने हमें एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी बनाया है।

आईआईटी बॉम्बे और इंडस टावर्स की साझेदारी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी इंडस टावर्स लिमिटेड ने सतत ऊर्जा क्षेत्र में दो परिवर्तनकारी शोध कार्यक्रमों के लिए समझौता किया है।कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि शोध का मुख्य उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा भंडारण की प्रगति का विस्तार करना होगा ताकि भविष्य के लिए और व्यवहारिक समाधान निर्मित किये जा सके। यह कार्यक्रम इंडस टावर्स के मुख्य सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम, प्रगति का एक भाग है। वर्तमान में जब जलवायु संबंधी जरूरतें और ऊर्जा की मांग पूरे विश्व की जरूरतों को परिवर्तित कर रही हैं और पूरा विश्व ऊर्जा की स्वच्छ, नई और हरित पद्धति को तेजी से अपना रही है, नवाचार सिर्फ एक विकल्प ही नहीं बल्कि अब यह एक आवश्यकता है। इंडस टावर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रचुर साह ने कहा, यह साझेदारी उद्योग और शिक्षाविदों के साथ में मिलकर काम करने का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो अनुसंधान और नवाचार के द्वारा समस्त विश्व में आने वाली चुनौतियों का समाधान करते हैं।

देश का नया टेक्सटाइल हब बनेगा छत्तीसगढ़, सीएमएआई के साथ राज्य सरकार का समझौता

एजेंसी

मुंबई/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने नवा रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन संस्थान खोलने की मंजूरी देने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे

छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बुधवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित सीएमएआई फैब शो 2025 को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई (क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के साथ एमओयू भी साइन किया है। इससे छत्तीसगढ़ को वस्त्र, गारमेंट और हैंडलूम सेक्टर में एक उभरता केंद्र बनने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही

में हमने कैबिनेट ने नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन के संस्थान को नवा रायपुर में खोलने की मंजूरी दी है। इस संस्थान के निर्माण पर 271 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इस संस्थान से छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में चांपा की कोसा साड़ियां अपने शिल्प में बेमिसाल हैं। सीएमएआई से एमओयू और निफ्ट की स्थापना से चांपा के कोसा जैसे वस्त्रों की ब्रांडिंग, प्रमोशन में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग प्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण स्वरोजगार, तकनीक और कौशल विकास से जुड़ा है। नई औद्योगिक नीति में हमने इन सभी सुविधाओं का ख्याल रखते हुए टैक्सटाइल सेक्टर से जुड़े एमएसएमई को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। हम एक हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों को विशेष अनुदान दे रहे हैं। एक सौ करोड़ के इन्वेस्टमेंट में 252 करोड़ की प्रतिपूर्ति हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने बताया कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में उद्यम शुरू करने पर विशेष रियायतें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, इज आफ डूइंग बिजनेस और स्पीड आफ डूइंग बिजनेस की नीतियों के चलते बहुत तेजी से निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से अब हम स्पीड और बिजनेस की ओर बढ़ चुके हैं। हमने 350 से अधिक रिफार्म्स किये हैं और निवेश का वातावरण बेहद सहज कर दिया है।

एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.42 करोड़ रुपये का लाभांश भुगतान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड (एजीआईएन) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1 करोड़ 42 लाख 23 हजार 513 रुपये का लाभांश घोषित किया है। एजीआईएन ने अपनी स्थापना के बाद से पहली बार लाभांश भुगतान किया है। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत भारत सरकार का उद्यम है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में लाभांश को औपचारिक रूप से प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट उपस्थित थे। 2011 में स्थापित एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड आईसीएआर की वाणिज्यिक शाखा

के रूप में कार्य करता है, जो कृषि अनुसंधान और व्यावहारिक कार्यान्वयन को जोड़ता है। एजीआईएन किसानों और उद्यमियों को लाभ पहुंचाने के लिए पूरे भारत में कृषि-प्रौद्योगिकियों को हस्तांतरित करने, उनका मूल्यांकन करने और उन्हें बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में एमएसपी पर 3.92 लाख मीट्रिक टन तुअर की खरीद

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से एमएसपी पर 22 अप्रैल तक कुल 3.92 लाख मीट्रिक टन तुअर (अरहर) की खरीद की गई है। इससे इन राज्यों के 2,56,517 किसान लाभान्वित हुए हैं। यह जानकारी आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में योगदान देने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने खरीद वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के उत्पादन के 100फीसदी के बराबर मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद को मंजूरी दी है।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2024-25 सीजन के दौरान मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश राज्यों में कुल 13.22 लाख मीट्रिक टन तुअर

(अरहर) की खरीद को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने किसानों के हित में आंध्र प्रदेश में खरीद अवधि को 90 दिनों से आगे 30 दिन बढ़ाकर 22 मई 2025 तक करने को भी मंजूरी दी है। सरकार ने बजट 2025 में यह भी घोषणा की है कि देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों अर्थात् नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से 2028-29 तक अगले चार वर्षों के लिए राज्य के उत्पादन का शत-प्रतिशत तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की जाएगी।

एथर एनर्जी का आईपीओ 28 को लॉन्च होगा, 6 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बनाने वाली कंपनियों में से एक एथर एनर्जी 28 अप्रैल को अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली है। यह आईपीओ 28 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा, जबकि एंकर इन्वेस्टर्स के लिए इसकी ओपनिंग 25 अप्रैल को होगी। आईपीओ के तहत 304 से 321 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ क्लोज होने के बाद 2 मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा और 6 मई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। मौजूदा वित्त वर्ष में एथर एनर्जी के आईपीओ के रूप में मेनबोर्ड सेगमेंट में पहले आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। एथर एनर्जी अपने आईपीओ के जरिए बाजार से पहले 3,100 करोड़ रुपये इकट्ठा करना चाहती थी। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से भी कंपनी को हरी झंडी मिल गई थी। हालांकि, अब कंपनी ने अपने आईपीओ का साइज घटा कर 2,626 करोड़ रुपये कर दिया है। माना जा रहा है कि घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के

कारण कंपनी ने अपने आईपीओ के साइज को कम करने का फैसला लिया है। कंपनी के आईपीओ में 1.10 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए भी बेचे जाएंगे। इसके जरिए कंपनी के प्रमोटर तरुण संजय और स्वप्निल समेत कुछ कॉरपोरेट संस्थागत निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। एथर एनर्जी में फिलहाल 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी हीरो मोटोकॉर्प के पास भी है, जिसने स्पष्ट किया है कि आईपीओ में वो अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेगी। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र में नई फैक्ट्री लगाने, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के काम को तेज करने, पुराने कर्ज को अदा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। एथर एनर्जी इलेक्ट्रिक टू व्हीलर, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बैट्री पैक और इससे संबंधित सॉफ्टवेयर सिस्टम का निर्माण और असेंबलिंग का काम करती है।

डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर बने निगेटिव सेंटिमेंट्स के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में 21 पैसे की कमजोरी के साथ 85.42 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज के करोबार के दौरान 32 पैसे तक कमजोर हो गई थी, लेकिन बाद में डॉलर की आवक बढ़ने के कारण रुपया डॉलर की तुलना में 11 पैसे की रिकवरी करके बंद होने में सफल रहा। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 85.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की कमजोरी के साथ 85.26 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 32 पैसे की गिरावट के साथ 85.53 के स्तर

तक भी आ गया था, लेकिन इसके बाद शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा आक्रामक अंदाज में खरीदारी करने की वजह से डॉलर की आवक बढ़ गई, जिसके कारण रुपया निचले स्तर से 11 पैसे की रिकवरी करने में सफल रहा। भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती दिखाई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ 113.80 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 35 पैसे की मजबूती के साथ 97.53 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि आयातकों की बढ़ती मांग की वजह से डॉलर की मांग जरूर बढ़ गई है, लेकिन स्टॉक मार्केट से रुपये के लिए सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के लगातार बढ़ रहे निवेश से इस बात की भी उम्मीद बनी है कि आने वाले दिनों में रुपया पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के साथ कारोबार करता हुआ नजर आएगा। सबसे बड़ी बात ये है कि डॉलर इंडेक्स लगातार कमजोरी का प्रदर्शन कर रहा है। ऐसी स्थिति में रुपये की कीमत को सहारा मिलने की उम्मीद बन गई है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ रही कीमत के कारण ऑयल इंपोर्ट बिल बढ़ सकता है। इसका प्रतिकूल असर रुपये पर पड़ने वाले दबाव के रूप में भी नजर आ सकता है।

डीपीआईआईटी ने चार राज्यों में 14,096 करोड़ रुपये की मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में स्थित मेगा बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा की। इन आधारभूत ढांचा संबंधी वृहत परियोजनाओं की कुल लागत 14,096 करोड़ रुपये से अधिक है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में आधारभूत ढांचा संबंधी वृहत परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। परियोजना निगरानी समूह के तत्वावधान में आयोजित इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान 17 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 19 मुद्दों की समीक्षा की गई। इन परियोजनाओं की कुल लागत 14,096 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बैठक के दौरान अंतर-मंत्रालयी और अंतर-राज्य समन्वय को बढ़ाकर कार्यान्वयन चुनौतियों के त्वरित समाधान पर अधिक ध्यान दिया गया। बैठक में जिन प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई उनमें जौनपुर-अकबरपुर सड़क परियोजना को चार लेन का बनाना शामिल है, जिसकी लागत 3,164.72 करोड़ रुपये है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लखटकिया होने का गौरव हासिल करने बाद से ही सोने की कीमत में लगातार करेक्शन हो रहा है। आज भी सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। सर्राफा बाजार में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये से लेकर 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,050 रुपये से लेकर 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने

की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार 7वें दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की शानदार रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार 7वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। इस मजबूती के कारण सेंसेक्स आज 18 दिसंबर, 2024 के बाद पहली बार 80 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि, बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया, लेकिन दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में लगातार लिवाली का जोर बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत और निफ्टी 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, मेटल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 430.27 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,089 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,567 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग का एएयूएम सालाना आधार पर 21.32 फीसदी बढ़ा : इक्रा

कोलकाता। घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग की औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति (एएयूएम) ने मार्च 2025 को समाप्त अवधि में सालाना आधार पर 21.32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि मासिक आधार पर इसमें 1.25 प्रतिशत की गिरावट आई है। इक्रा एनालिटिक्स लिमिटेड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफऔर अन्य ईटीएफ श्रेणियों ने सबसे अधिक बढ़त दिखाई, जिनमें क्रमशः 89.88 प्रतिशत और 15.06 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत अन्य श्रेणियों में एएयूएम में गिरावट देखने को मिली। विकास/इक्विटी-उन्मुख योजनाएं कुल एएयूएम में 53.72 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहीं जबकि ऋण-उन्मुख योजनाएं 15.06 प्रतिशत और लिक्विड योजनाएं 13.21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पीछे रहीं। राज्यवार विश्लेषण में महाराष्ट्र ने 40.64 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक योगदान दिया।

इसके बाद नई दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल शामिल रहे। हालांकि इन राज्यों का योगदान 10 प्रतिशत से कम रहा। शीर्ष पांच राज्यों का कुल योगदान 65 प्रतिशत से अधिक रहा।

भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बना रहेगा : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) के अनुमान को घटाकर 6.2-6.7 फीसदी किए जाने के बावजूद भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बना रहेगा। वित्त मंत्रालय नेजारी एक बयान में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास पूर्वानुमानों में गिरावट के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि में अपना नेतृत्व बनाए रखने के लिए तैयार है। मंत्रालय ने कहा, बुनियादी ढांचे, नवाचार और वित्तीय समावेशन में सुधारों के साथ भारत ने वैश्विक आर्थिक गतिविधि के प्रमुख चालक के रूप में अपनी भूमिका को बढ़ाना जारी रखा है। मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा टैरिफ युद्ध और अमेरिकी व्यापार नीति पर अनिश्चितता के बीच अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर के अनुमानों में 0.5 फीसदी तक की कटौती की है। हालांकि, देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान का हवाला देते हुए कहा कि अगले दो वित?त वर्षों में भारत सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। आईएमएफ के वर्ल्ड इकॉनोमिक आउटलुक के अप्रैल 2025 संस्करण के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.2 फीसदी और 2026-27 में 6.3 फीसदी की दर बढ़ने की उम्मीद है, जो वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर मिलती-जुलती अर्थव्यवस्था वाले देशों पर ठोस बढ़त बनाए रखेगा। आईएमएफ ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर को बहुत कम 2025 में 2.8 फीसदी और 2026 में 3.0 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो भारत के असाधारण बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है।इसके अलावा आईएमएफ ने अन्य प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने विकास दर के अनुमान को भी संशोधित किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025 के लिए चीन के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को घटाकर 4.0 फीसदी कर दिया गया है, जो विश्व आर्थिक परिदृश्य के जनवरी 2025 संस्करण में 4.6 फीसदी से कम है। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मंदी की आशंका है, आईएमएफ ने इसकी वृद्धि को घटाकर 1.8 फीसदी कर दिया है।वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन संशोधनों के बावजूद भारत की मजबूत विकास गति इसे वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी की ओर जाने, चीन की वृद्धि दर में भारी गिरावट आने तथा वैश्विक स्तर पर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मंदी आने की संभावना के बावजूद भारत की चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.2-6.7 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा है कि मजबूत बुनियादी ढांचे और रणनीतिक सरकारी पहलों के समर्थन से देश आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है।

जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में फ्रेंड्स क्लब मेजा ने जीती ट्रॉफी

एजेंसी

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए) प्रयागराज से संबद्ध एवं मान्यता प्राप्त एक दिवसीय डे एंड नाइट जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन तहसील हंडिया के अंतर्गत टेला गांव स्थित दूधनाथ यादव इंटर कॉलेज में किया गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब मेजा ने सुलतानपुर भावा को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। प्रतियोगिता में जिले की कुल आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच प्रारम्भ होने से पूर्व विधायक हंडिया हाकिम लाल बिंद ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबला फ्रेंड्स क्लब मेजा और सुल्तानपुर भावा की टीम के बीच खेला गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब मेजा की टीम ने सुल्तानपुर भावा की टीम को 25-20 व 25-23 अंकों से हराकर ट्रॉफी जीत ली। विजेता टीम की ओर से विवेक शुक्ला व अंकित विश्वकर्मा तथा उपविजेता टीम की ओर से अक्षय श्रीवास्तव, आशीष यादव व मो.जीसान का खेल सराहनीय रहा। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पर मेजबान कॉलेज के प्रबंधक ब्रह्मदेव सिंह यादव ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किया। आयोजन समिति के सयोंजक राजकुमार पाठक व अध्यक्ष सोनू यादव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिपः भारत में गोल्फ का नया स्वर्णिम अध्याय

नई दिल्ली। डीपी वर्ल्ड और डीपी वर्ल्ड टूर ने मिलकर भारत में गोल्फ के इतिहास को नया आयाम देते हुए डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप की घोषणा की है। इस भव्य टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 04 मिलियन डॉलर (लगभग 33 करोड़ रुपये) होगी, जो अब तक भारत में किसी भी गोल्फ टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। यह चैम्पियनशिप 'बैक 9' चरण की आठवीं प्रतियोगिता होगी, जिसके बाद दुबई में डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप के साथ सत्र का समापन होगा। यह ऐतिहासिक आयोजन 16 से 19 अक्टूबर के बीच प्रतिष्ठित दिल्ली गोल्फ क्लब में आयोजित किया जाएगा, जहां डीपी वर्ल्ड टूर की वापसी 2016 के बाद पहली बार हो रही है। यह टूर्नामेंट प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा और यह 2025 रेस टू दुबई के 'बैक 9' चरण का हिस्सा होगा। डीपी वर्ल्ड के सीईओ रिजवान सूमर ने कहा, 'हम भारत में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह चैम्पियनशिप न केवल खेल को ऊंचाइयों पर ले जाएगी, बल्कि समुदायों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।' डीपी वर्ल्ड भारत में खेलों में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स के साथ साझेदारी और 'बॉल्स फॉर बर्डीज' जैसे पहल शामिल हैं।

त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम घोषित, तीन नए चेहरों को मौका

कोलंबो। भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 27 अप्रैल से शुरू हो रही महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका ने अपनी 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू को सौंपी गई है। श्रीलंका सीरीज की शुरुआत 27 अप्रैल को भारत के खिलाफ कोलंबो में करेगी। टीम में तीन नई खिलाड़ी – माल्की मडारा, देवमी विहांगा और पिउमी बडालगे को शामिल किया गया है, जिन्होंने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे नहीं खेला है। इन तीनों के अलावा टीम में कुल छह बदलाव किए गए हैं जो इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड दौरे पर गई टीम का हिस्सा नहीं थे। टीम में अनुभवी स्पिनर इनोका राणावीरा, हसीनी परेरा और हंसिमा करुणारत्ने की भी वापसी हुई है। वहीं, इमेशा दुलानी, सचिनी निसांसला, कौशिनी नुथ्यांगना, चेथना विमुक्ति और घायल उदेशिका प्रभोदनी को टीम से बाहर कर दिया गया है। 24 वर्षीय स्पिनर माल्की मडारा ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अपने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। 19 वर्षीय देवमी विहांगा, जो एक स्पिन ऑलराउंडर हैं, को भी पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए घोषित किया 54 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आगामी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 खिलाड़ियों के संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की है। यह कैंप 25 अप्रैल से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में शुरू होगा। हाल ही में उत्तर प्रदेश के झांसी में संपन्न हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। यह कैंप 25 से 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसके बाद प्रदर्शन के आधार पर इस ग्रुप को घटाकर 40 खिलाड़ियों तक कर दिया जाएगा। चयनित 40 खिलाड़ी 1 मई से 25 मई 2025 तक कैंप के अगले चरण में भाग लेंगे। इस 54 सदस्यीय दल में से 38 खिलाड़ी पहले से ही कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं, जबकि शेष खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर बुलाया गया है।

अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के न्यौते को ठुकराया, एशियन चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के जेवलिन इवेंट 'एनसी क्लासिक' में भाग लेने से इनकार कर दिया है। यह फैसला उन्होंने आगामी एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी को प्राथमिकता देते हुए लिया है। हालांकि, उन्होंने नीरज के निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया है। 24 मई को बेंगलुरु में आयोजित होने वाले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में अरशद नदीम की गैरमौजूदगी रहेगी। नदीम ने एक बयान में कहा, 'एनसी क्लासिक इवेंट 20 से 24 मई के बीच है, जबकि मैं 22 मई को कोरिया रवाना हो रहा हूं।÷ वे 27 से 31 मई तक कोरिया के गुमी शहर में होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं।

नीरज ने भेजा था व्यक्तिगत निमंत्रण

इससे पहले नीरज चोपड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया था कि उन्होंने अर्शद को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। नीरज ने कहा, 'मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा था। उन्होंने कहा था कि कोच से बात कर के जवाब देंगे।'

स्टार एथलीट्स से सजा रहेगा एनसी क्लासिक

'नीरज चोपड़ा क्लासिक' के पहले संस्करण में कई दिग्गज एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर, केन्या के 2016 रियो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो और अमेरिका के करंट सीज़न लीडर कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर) की भागीदारी तय है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स से मिला कैटेगरी ए का दर्जा

इस प्रतिष्ठित इवेंट को वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से कैटेगरी 'ए' का दर्जा मिला है। इसे नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

स्थिति के अनुसार ढलने की जरूरत, बहाना नहीं चलेगा: रजत पाटीदार

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ 24 अप्रैल को होने वाले अहम मुकाबले से पहले मीडिया से बातचीत में टीम के हालिया प्रदर्शन और रणनीतियों को लेकर खुलकर बातें कीं। उन्होंने खासतौर पर एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच, टॉस फैक्टर, 'इम्पैक्ट प्लेयर' के इस्तेमाल और कप्तानी के अनुभव पर अपने विचार साझा किए। पाटीदार ने स्वीकार किया कि घरेलू मैदान पर टीम का प्रदर्शन अपेक्षा से कमतर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने होम मैचों में अच्छी क्रिकेट नहीं खेली है। टॉस हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन पिचें इस बार थोड़ी ट्रिकी हैं। फिर भी, यह कोई बहाना नहीं है। हमें परिस्थितियों के अनुसार खुद को शीघ्र ढालना होगा। टॉस के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि अगर टॉस हार गए तो आधी जंग हार गए। हमें जो भी परिस्थिति मिले, उसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य है।' टीम के मनोबल को लेकर रजत ने कहा कि ÷इस लीग में मैच लगातार होते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम अतीत की गलतियों से सीखें और वर्तमान पर ध्यान दें। हार को पीछे छोड़कर हर मुकाबले में नए जोश के साथ उतरना ही हमारी रणनीति है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर को लेकर उन्होंने खुलासा किया कि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में मनोज भांडगे को मैदान में उतारना अचानक लिया गया फैसला था, जो परिस्थिति के हिसाब से सही था। उन्होंने बताया कि ÷हमने जल्दी विकेट खो दिए थे, इसलिए एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत थी। पिच की चुनौतियों पर पाटीदार ने कहा, इस बार की पिचें दो-रूपी हैं और उछाल में भी बदलाव रहता है, जिससे गेंदबाज़ों को मदद मिल रही है। इसलिए शॉट चयन में सतर्क रहना बहुत जरूरी है।

फेडरेशन कप 2025: विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी

कोच्चि। तमिलनाडु की 26 वर्षीय ओलंपियन विथ्या रामराज ने 28वीं राष्ट्रीय फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में नया मीट रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 56.04 सेकंड का समय निकालते हुए पिछले 6 वर्षों से कायम रिकॉर्ड को तोड़ा और दूसरे स्थान पर रहीं अनु राघवन से 2 सेकंड से अधिक का अंतर रखा। विथ्या ने एशियन गेम्स में पी.टी. उषा के 41 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी (55.42 सेकंड) की थी और अब वह इसे तोड़ने के लिए तैयार दिख रही हैं। उनका कहना है, ÷अगर रेस एक दिन बाद होती तो मैं 54 सेकंड के भीतर दौड़ जाती। मेरा लक्ष्य है इस साल 54 सेकंड का समय निकालना।

पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में यशस की बेस्ट परफॉर्मेंस

कर्नाटक के पी. यशस ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 49.32 सेकंड के साथ जीत दर्ज की, लेकिन एशियन चैंपियनशिप के लिए तय 49.19 सेकंड के क्वालिफिकेशन मार्क से चूक गए।

ट्रिपल जंप में निहारिका वशिष्ठ का गोल्डन कमबैक

महाराजा स्टेडियम के एक अन्य कोने में, पंजाब की नेशनल गेम्स चैंपियन निहारिका वशिष्ठ ने आखिरी राउंड में 13.49 मीटर की शानदार छलांग लगाकर केरल की सैंड्रा बाबू को मात्र 1 सेमी से पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता। इंस्टाग्राम पर 2.4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स वाली निहारिका ने दो साल के डोपिंग बैन के बाद फरवरी 2022 में वापसी की थी और अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिख रही हैं। उन्होंने एक साल में अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में 40 सेमी से अधिक का सुधार किया है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 28 अप्रैल से चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम में दो बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे बड़ी वापसी अनामुल हक की है, जो करीब तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। अनामुल हक इस समय ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग में शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में वह मान्यता प्राप्त क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज़ बने हैं। 32 वर्षीय अनामुल ने पिछली बार साल 2022 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। टीम से बाहर किए गए ज़ाकिर हसन को पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला था, और अब उन्हें पूरी तरह से ड्रॉप कर दिया गया है। टीम में दूसरा बदलाव तेज़ गेंदबाज़ नाहिद राणा की जगह हुआ है, जिन्हें पीएसएल में पेशावर ज़ल्मी की ओर से खेलने की संभावना है। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को शामिल किया गया है, जो अब तक टेस्ट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है:

नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, अनामुल हक बिजॉय, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, महिदुल इस्लाम भुइयां अंकन, जाकेर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद, सैयद खालेद अहमद, तंजीम हसन शाकिब।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने नई एमएलसी फ्रेंचाइजी के साथ की रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की एक आगामी टीम के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह टीम वर्ष 2027 में अपना पदार्पण करेगी और इसका स्वामित्व 'ट्रू नॉर्थ स्पोर्ट्स वेंचर्स' नामक समूह के पास है, जिसका संचालन एमएलसी के सह-संस्थापक समीर मेहता और विजय श्रीनिवासन कर रहे हैं। इस समूह में अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल लीग (एनएफएल) की टीम 'सैन फ्रांसिस्को 49र्स' की निवेश शाखा भी भागीदार होगी।

क्रिकेट संचालन की ज़िम्मेदारी एनजेडसी के पास

इस समझौते के अंतर्गत एनजेडसी न केवल टीम में अंशधारक बनेगा, बल्कि उसके

क्रिकेट संचालन, खिलाड़ियों के विकास और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी भी संभालेगा। इसके लिए प्रशिक्षकों, अनुबंधित खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट प्रणाली का समन्वय किया जाएगा। एनजेडसी के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनींक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस साझेदारी से हमें सेवाएं देने के लिए भुगतान प्राप्त होगा और अमेरिकी क्रिकेट के साथ-साथ हमारे अपने क्रिकेट ढांचे में निवेश का अवसर मिलेगा। टीम के सह-मालिक समीर मेहता ने बताया कि एक प्रसिद्ध फिल्मी सितारे के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने एनजेडसी को उच्च प्रदर्शन में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्था बताया और कहा कि अमेरिका जैसे सीमित प्रतिभा वाले क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता अत्यंत लाभदायक होगी। इसके साथ ही 49र्स की व्यावसायिक विशेषज्ञता से ब्रांड प्रचार, प्रायोजन और व्यापारिक वस्तुओं के क्षेत्र में भी सहायता मिलेगी। एनजेडसी ने इस समझौते को अपनी पांच-वर्षीय रणनीति का हिस्सा बताया है, जिसका उद्देश्य आय के स्रोतों को विविध बनाना है।

खालसा, रामजस और किरोड़ी मल कॉलेज ने जीते बास्केटबॉल मुकाबले

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन पुरुष वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, रामजस कॉलेज, किरोड़ी मल कॉलेज और खालसा कॉलेज एलुमनी ने जीत दर्ज की।श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 74 -59 से हराया और विजई टीम के साहिल माथुर प्लेयर ऑफ द मैच बने। रामजस कॉलेज ने भीम राव आंबेडकर कॉलेज को 76 - 59 से हराया और रामजस कॉलेज के आयुष प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। किरोड़ी मल कॉलेज ने भारत अकादमी को 64- 48 से हराया और दक्ष चौधरी को प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला। एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी ने हंसराज कॉलेज को 66-64 से हराया, प्लेयर ऑफ द मैच विजय टीम के देशमुख माथुर

को मिला।महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने गार्गी कॉलेज को 45 - 41 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की विपासना को मिला।

आईपीएल 2025: मुंबई इंडियंस ने लगातार चौथा मैच जीता, हैदराबाद को 7 विकेट से दी पटखनी

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 26 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया। लगातार चार मैचों में मिली जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के नौ मैच में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को धारदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 4 विकेट अपने नाम किए। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई को 144 रन के लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16वें ओवर में बना लिया। मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने शानदार 70 रन बनाए। अपनी पारी में रोहित ने 8 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित के अलावा, सूर्यकुमार

यादव के नाबाद 40 रन की अहम पारी रही। वहीं, विल जैक्स के 22 रन और रियान रिकल्टन ने 11 रन का योगदान दिया। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और जीशान अंसारी को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 143 रन बनाए। हालांकि टीम की शुरुआत काफी खराब रही।

हैदराबाद ने 35 रन के अंदर 5 विकेट गंवा दिए। इसके बाद हेनरिकक क्लासेन और अभिनव मनोहर ने मोर्चा संभाला और 99 रन की साझेदारी कर टीम को बेहतर स्थिति में ले गए। इन दोनों के शानदार प्रदर्शन के बल पर टीम का स्कोर 143 रन तक पहुंच सका। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 4 विकेट चटकाए। जबकि दीपक चहर को दो सफलता मिली। वहीं, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को एक-एक विकेट मिला।

शापूरजी के चार गोल, फ्रंटियर ने विक्ट्री को रौंदा

नयी दिल्ली। जाहान शापूरजी की तिकड़ी सहित जमाए चार गोलों की मदद से फ्रंटियर फुटबाल क्लब ने विक्ट्री एफसी को 9- 0 से हरा कर डीएसए 'ए ' डिवीज़न लीग में दूसरी जीत दर्ज की। यहां नेहरू स्टेडियम मैदान पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में फ्रंटियर ने स्कूली खिलाड़ियों से सजी विक्ट्री को शुरू से ही दबाव में रखा। सनी दहिया ने दो, भूपेंद्र, शोभित भंडारी और अक्षत तनेजा ने एक-एक गोल किया। दिन के पहले मुकाबले में पश्चिम हीरोज ने शक्ति एफसी को संजीत के एकमात्र गोल से परास्त किया द्य सुबह के सत्र में खेले गए रोमांचक मुकाबले में किम के शानदार गोल की मदद से गढ़वाल यूनाइटेड ने हॉप्स एफसी को हरा कर डीएसए महिला प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए ।

'शाहोशी रानी' पहल के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स ने खेला नाइट गोल्फ का आठवां संस्करण

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम ने क्रिकेट की बजाय गोल्फ क्लब संभाले और 'नाइट गोल्फ' के आठवें संस्करण में भाग लिया। यह आयोजन रॉयल कलकत्ता गोल्फ क्लब (आरसीजीसी) में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य था फ्रेंचाइज़ी की नई सामाजिक पहल 'शाहोशी रानी' का समर्थन और जश्न मनानाइस विशेष अवसर पर टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे, मेंटर ड्वेन ब्रावो, तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्ट्जे और सीईओ वेंकी मैसूर सहित कई सदस्य शामिल हुए। इन्होंने टीम प्रबंधन और सहयोगी भागीदारों के साथ मिलकर मित्रतापूर्ण गोल्फ मुकाबले में हिस्सा लिया। मैदान में आमतौर पर बल्ले और गेंद से खेल दिखाने वाले ये सितारे इस बार गोल्फ कोर्स पर महिलाओं के सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ा रहे थे। 'शाहोशी रानी', केकेआर की नई सामाजिक पहल है, सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला माध्यम है। 'शाहोशी रानी' के माध्यम से हम उन महिलाओं तक पहुंचना

जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। इस आयोजन से प्राप्त सभी आय इस पहल के तहत महिला सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों में खर्च की जाएगी।केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'नाइट गोल्फ सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि हमारी चाहते हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत रखती हैं।' टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, 'खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं होता, वह समाज में बदलाव लाने का जरिया भी है। हमें गर्व है कि हम इस मुहिम का हिस्सा हैं।'

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में लैंगिक समानता की नई पहल, पुरुषों के समान मैट साइज पर खेल रहीं महिला खिलाड़ी

एजेंसी

गुरुग्राम। खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल करते हुए ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) ने इतिहास रच दिया है। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में जारी इस लीग में महिला खिलाड़ियों को पहली बार पुरुषों के समान आकार वाले कबड्डी मैट पर खेलने का अवसर दिया गया है। यह निर्णय खेल में समान अवसर और प्रतिस्पर्धा के स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से लिया गया है। परंपरागत रूप से महिलाओं के मैच छोटे मैट पर आयोजित किए जाते रहे हैं, जिससे उन्हें सीमित स्थान और रणनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ता था। लेकिन जीआईपीकेएल के आयोजकों ने इस बाधा को तोड़ते हुए महिला खिलाड़ियों को समान मंच देने का साहसिक निर्णय लिया है। इस कदम को खेल विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भरपूर सराहना मिल रही है। हुए महिला वर्ग के मुकाबलों में तीन रोमांचक मैच खेले गए। पहले मैच में तमिल लायनेस ने तेलुगु चीता को 28-27 से हराकर रोमांचक जीत हासिल की। तमिल लायनेस ने 13 रेड पॉइंट, 13 टैकल पॉइंट और चार सुपर टैकल करते हुए निर्णायक क्षणों में धैर्य बनाए रखा। तेलुगु चीता ने कड़ा संघर्ष किया,

लेकिन अंतिम क्षणों में तमिल टीम की बढ़त निर्णायक साबित हुई। दूसरे मैच में मराठी फाल्कन्स ने भोजपुरी लेपर्डेस को 36-34 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। भोजपुरी टीम ने रेड में 28 पॉइंट और तीन सुपर रेड हासिल किए, लेकिन मराठी टीम ने चार ऑलआउट और एक अहम सुपर टैकल के साथ जबरदस्त वापसी की। आखिरी लम्हों में मराठी फाल्कन्स ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए दो अंकों की जीत दर्ज की।

तीसरे और अंतिम महिला मुकाबले में पंजाबी टाइग्रेस ने हरियाणवी ईगल्स को 48-22 से हराकर एकतरफा जीत हासिल की। 26 रेड पॉइंट, 13 टैकल पॉइंट और 8 ऑलआउट के साथ पंजाबी टाइग्रेस ने पूरे मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। हरियाणवी टीम ने दो सुपर टैकल किए, लेकिन वह पंजाबी टीम की आक्रामकता और निरंतरता के सामने टिक नहीं पाई।

लीग का फाइनल मुकाबला 30 अप्रैल को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्पज हॉल में खेला जाएगा।

जीआईपीकेएल की यह पहल न केवल महिला खिलाड़ियों के कौशल को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है, बल्कि यह आने वाले समय में अन्य खेल आयोजनों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

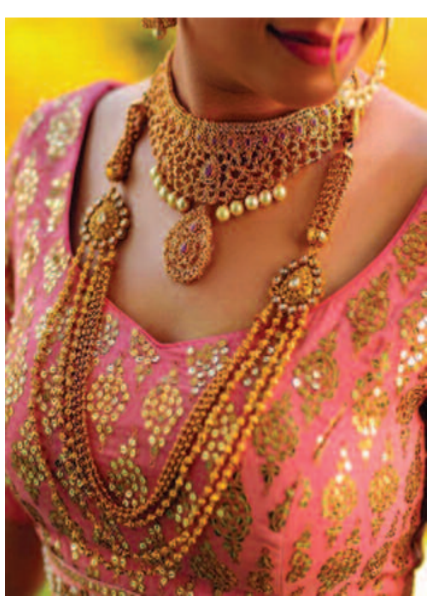

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही इस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

शरवरी वाघ

नहीं, रणवीर सिंह की फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस की एंट्री! कब और कहां होगा शूट? पता लग गया

रणवीर सिंह जल्द से जल्द अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग खत्म कर दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ना चाहते हैं. हाल ही में पता लगा था कि उन्होंने 'धुरंधर' का काम लगभग पूरा कर लिया है. इसके बाद वो अगले प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ेंगे. यहां एक फिल्म का काम पूरा हुआ, तो दूसरी ओर 'डॉन 3' को लेकर नया अपडेट आ गया. कियारा आडवाणी के फिल्म से एग्जिट के बाद से ही नई फीमेल लीड की तलाश की जा रही थी. बीते दिनों शरवरी वाघ का भी नाम सामने आया था. लेकिन अब मेकर्स ने एक नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस को फाइनल कर लिया है.

पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि कृति सेनन की फिल्म में एंट्री हो गई है. वो डॉन 3 में बतौर फीमेल लीड नजर आएंगी. वो इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर चुकी हैं. दरअसल एक्ट्रेस को फिल्म 'मिमी' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था. हालांकि, पहले इस रोल के लिए शरवरी वाघ का नाम सामने आ रहा था.

रणवीर सिंह की 'डॉन 3' में किसकी एंट्री ?

रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन की फिल्म में एंट्री होने की खबरें हैं. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि वो दो हफ्ते के अंदर इस फिल्म के लिए साइन कर देंगी.

फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव टीम 'डॉन 3' में एक एक्सपीरियंस एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं. उनके मुताबिक, कृति सेनन इस प्रोजेक्ट के लिए बिल्कुल सही हैं. उनके पास स्क्रीन पर रोमांटिक किरदार निभाने का एक्सपीरियंस भी है. ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस भी इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं.

इसके अलावा फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' के लिए लोकेशन की तलाश भी कर ली है. वो पहले ही इस काम को पूरा कर चुके थे. जल्द ही इंटरनेशनल स्टंट टीम के साथ एक्शन ब्लॉक पर बैठेंगे. दरअसल 'डॉन 3' को बड़े लेवल पर यूरोप में शूट किया जाएगा. साथ ही लोकेशन पहले ही तय हो चुकी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, स्क्रिप्ट भी तैयार हो चुकी है. अब बस एक्शन डिजाइन के साथ-साथ थोड़ी पॉलिशिंग करना बाकी रह गया है. हालांकि, प्री-प्रोडक्शन वर्क फिलहाल अगले कुछ महीनों तक चलने वाला है. टीम का प्लान है कि अक्टूबर या नवंबर 2025 तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो सके.

इस फिल्म का शूट किया पूरा

'डॉन 3' का काम शुरू करने से पहले कृति सेनन ने अपनी एक फिल्म का शूट पूरा कर लिया है. आनंद एल राय के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'तेरे इश्क में' वो दिखने वाली हैं. हालांकि वो नई नवेली के लिए भी चर्चा में हैं. कहा जा रहा है कि उन्हें हॉरर फिल्म के लिए फाइनल किया जा सकता है, जो साल 2026 में रिलीज की जाएगी.

रणबीर कपूर बाप बहुत अच्छा है...

आलिया भट्ट

के सौतेले भाई राहुल भट्ट का दावा

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जब से माता-पिता बने हैं दोनों अपनी बेटी राहा से कसे जुड़े किस्से सभी के साथ शेयर करते रहते है. रणबीर अपनी बेटी राहा के साथ खास बॉन्ड शेयर करते हैं. आलिया भी इस बात का खुलासा कर चुकी हैं कि राहा के साथ रणबीर बिल्कुल बदल जाते हैं. अब आलिया भट्ट के सौतेले भाई और महेश भट्ट के बेटे राहुल भट्ट ने हाल ही में पिंकविला के हिंदी रश के साथ एक खास बातचीत की है. उन्होंने रणबीर के अच्छे पिता होने के लिए उनकी तारीफ भी की.राहुल भट्ट से रणबीर कपूर के बारे में उनकी राय और उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में खुद को ट्रेंड करने के तरीके के बारे में पूछा गया. इसके जवाब में उन्होंने कहा, रणबीर एक बेहतरीन पिता हैं. मुझे लगता है कि यही सबसे महत्वपूर्ण बात है. एक आदमी कोज मैं उनका इस तरह सम्मान करता हूं. जब उनसे उनके एक्टिंग स्किल्स के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, एक्टिंग ? पता नहीं मुझे ये सब कुछ समझ में नहीं आता हैज एक्टिंग कौन है, एक्टर कौन है, एनिमल कौन है, कपूर कौन है ? मेरे को कुछ फ़र्क नहीं पड़ता.

बाप अच्छा है बस - राहुल भट्ट

बाप अच्छा है बसज्मैं सम्मान करता हूंज्बाप बहुत अच्छा हैज्अपनी बच्ची से बहुत प्यार करता है और मेरे लिए उससे अच्छा कोई चीज मायने नहीं रखती है लाइफ में ये बाकी नाम. शोहरत, एनिमल वेनिमल आएगा जाएगा घूम फिर के बात आती है वह एक अच्छा पिता हैज वह मेरी सौतेली बहन का सम्मान करता है बस बाकी सब सप्लीमेंटल है. इसके अलावा, उन्होंने यह भी याद किया कि जब वह एनिमल की तैयारी कर रहे थे, तब रणबीर कपूर ने उनसे सलाह मांगी थी.

रणबीर कपूर ने मांगी थी सलाह

राहुल ने कहा एनिमल की तैयारी के दौरान, उनके पास कुछ सवाल थे. वह हथियारों की ट्रेनिंग के लिए अबू धाबी जा रहे थे और उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या यह एक अच्छी जगह है. वह ह्यूमन कंडीशन के बारे में बहुत ईमानदार और जिज्ञासु हैं. मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह एक बच्चे थे. वह बॉम्बे स्कॉटिश गए थे और मैं आर्य मंदिर में था. सबसे इंप्रेसिव बात ये है कि वह एक बेतरीन पिता हैंज बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता.

पत्रलेखा से पहले किस लड़की पर फिदा थे राजकुमार राव? उसके चक्कर में 25 लड़कों ने कर दी थी एक्टर की पिटाई

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए फैंस को कई बार अपना मुरीद बनाया है. उन पर लाखों लड़कियां भी फिदा हैं. लेकिन सालों पहले राजकुमार अपनी फीमेल फैंस का दिल तोड़ चुके थे, जब उन्होंने एक्ट्रेस पत्रलेखा से शादी कर ली थी.राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक दूसरे को डेट करने के बाद नवंबर 2021 में शादी रचा ली थी. दोनों की शादी को तीन साल पूरे हो चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि पत्रलेखा पर जान छिड़कने से पहले राजकुमार किस पर फिदा थे ? तो इसका जवाब है वो अपनी क्लासमेट को पसंद करते थे. लेकिन स्कूल की उस लड़की के चक्कर में एक बार राजकुमार राव की 25 लड़कों ने मिलकर पिटाई कर दी थी.

क्लासमेट पर आया था राजकुमार का दिल

राजकुमार राव 11वीं क्लास के दौरान गुरुग्राम में मॉर्डन फैंसी ब्लू बेल्स स्कूल में पढ़ाई करते थे. राजकुमार ने एक दिन अपनी क्लास की एक लड़की को फुटबॉल खेलते देखा तो वो उस पर दिल हार बैठे थे. हालांकि उस लड़की का पहले से ही एक बॉयफ्रेंड था.

25 लड़कों ने की थी राजकुमार की पिटाई

जब उस लड़के को ये बात पता चली कि राजकुमार राव उसकी गर्लफ्रेंड पर डोरे डाल रहे हैं तो वो लड़का भड़क गया. इसके बाद गुस्से में उसने 25 लड़कों को बुला लिया था. उन लड़कों ने मिलकर राजकुमार की पिटाई कर दी थी. लेकिन मार खाते राजकुमार को सिर्फ एक ही टेंशन थी. पिटाई के दौरान राजकुमार उन लड़कों से एक ही अपील करते रहे कि मुझे चेहरे पर न मारे क्योंकि मुझे एक्टर बनना है. ये किस्सा खुद राजकुमार ने अपने एक इंटरव्यू में शेयर किया था.

'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे राजकुमार

राजकुमार साल 2024 में फिल्म 'स्त्री 2' के जरिए काफी चर्चाओं में रहे. राजकुमार और श्रद्धा कपूर की इस फिल्म ने भारत में रीब 600 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 857 करोड़ रुपये की कमाई की थी. अब राजकुमार फिल्म 'भूल चूक माफ' में नजर आने वाले हैं.

इस फिल्म को देखते ही रोने लगा था अजय देवगन का बेटा युग, फिर मार दिया था 'सिंघम' को थप्पड़

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं. उन्होंने बड़े पर्दे पर हर तरह के किरदार निभाए हैं. अजय के करियर में एक फिल्म ऐसी भी रही जिसे देखने के बाद उनका बेटा युग देवगन रोने लगा था. इतना ही नहीं तब युग ने पिता अजय देवगन को थप्पड़ भी मार दिया था.जिस फिल्म को देखने के बाद अजय देवगन के बेटे युग के आंसू छलक पड़े थे उसका नाम है 'गोलमाल अगेन'. साल 2017 में आई इस फिल्म को अजय देवगन एक बार अपनी फैमिली के साथ बैठकर देख रहे थे. तब परिणीति चोपड़ा के किरदार की मौत के बाद युग इमोशनल हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ

गए थे.

युग ने अजय को मारा था थप्पड़

अजय देवगन अपने दोनों बच्चों बेटे युग और बड़ी बेटी नीसा देवगन को बेहतर परवरिश देने के लिए जाने जाते हैं. इंडस्ट्री में अजय को 'बेस्ट पिता' के रूप में भी जाना जाता है. उनका अपने दोनों ही बच्चों के साथ खास बॉन्ड है. लेकिन ऐसा क्या हुआ था जो युग ने अजय को गोलमाल अगेन देखते हुए अपने नन्हे-नन्हे हाथों से मार दिया था.

अजय देवगन से एक इंटरव्यू के दौरान बेटे युग को लेकर कोई किस्सा शेयर करने के लिए कहा गया था. इस पर उन्होंने बताया था कि गोलमाल अगेन देखने के दौरान जब परिणीति के किरदार की मौत हुई तो युग रोने लगा था और बाकी सब हंस रहे थे. अभिनेता ने कहा, वे जोर से हंसे. काजोल हंसना बंद नहीं करती हैं. मेरा बेटा सेकेंड हाफ में रोया, दो बार और उसने मुझे भी थप्पड़ मारा. परी (परिणीति चोपड़ा) की मौत पर उसके आंसू लुढ़क रहे थे. वो मेरी गोद में बैठा था और मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ और उसने मुझे सिर्फ यह कहते हुए एक दिया कि 'मुझे रोते हुए मत देखो'. यह बहुत मजेदार है. यहां तक कि मेरे साथ घर के लोग भी इस पर हंसते हैं.

2010 में हुआ था युग का जन्म

अजय और काजोल ने साल 1999 में शादी की थी. 2003 में दोनों ने बेटी नीसा देवगन का वेलकम किया था. वहीं युग का जन्म सितंबर 2010 में हुआ था. युग 14 साल के हो चुके हैं.